



श्रीमद्-आद्यशङ्करभगवत्पाद-परम्परागत-मूलान्नाय-
सर्वज्ञपीठ-श्री-काङ्गी-कामकोटि-पीठं
जगद्गुरु-शङ्कराचार्यस्वामि-श्रीमठसंस्थानम्

श्रीमत्-शङ्कर-भगवत्पाद-सहस्रनामावलिः

1. श्रीगुरवे नमः
2. शुद्धहृदयाय नमः
3. श्रेयसे नमः
4. शान्ताय नमः
5. दयानिधये नमः
6. दान्ताय नमः
7. तितिक्षवे नमः
8. चन्द्राभाय नमः
9. न्यस्तकर्मणे नमः
10. समाहिताय नमः
11. चटुलाय नमः
12. यतचित्ताय नमः
13. श्रद्धधानाय नमः

14. चिरन्तनाय नमः
15. चापलाय नमः
16. चतुरास्येड्याय नमः
17. चरितव्रतकोविदाय नमः
18. चतुराय नमः
19. श्रुतिमौलिस्त्राय नमः
20. शिवाय नमः
21. शुद्धप्रबोधकाय नमः
22. वशिने नमः
23. विश्वेश्वराय नमः
24. मुख्याय नमः
25. अमूल्याय नमः
26. मूलकृते नमः
27. मथिने नमः
28. मूर्धाभिषिक्त्राय नमः
29. सर्वेशाय नमः
30. महादेवाय नमः
31. मदामदाय नमः
32. भवाय नमः
33. रुद्राय नमः
34. हराय नमः
35. मुक्ताय नमः
36. शर्वाय नमः
37. ईशानाय नमः
38. ईश्वराय नमः

39. महेशाय नमः
40. स्वस्तिकृते नमः
41. सुहाय नमः
42. स्थिराय नमः
43. स्वागवे नमः
44. सुरार्चिताय नमः
45. शाश्वताय नमः
46. सौम्यवदनाय नमः
47. सिद्धयोगिनिषेविताय नमः
48. सोमाय नमः
49. सुधास्वच्छतनवे नमः
50. श्रीमते नमः
51. प्रेयसे नमः
52. जगत्पतये नमः
53. श्रीकृष्णाय नमः
54. श्रितवात्सल्याय नमः
55. शान्तवाय नमः
56. शङ्कराभिधाय नमः
57. वीराय नमः
58. शुभविहारिणे नमः
59. शुद्धरन्मैक्यमूर्तिमते नमः
60. अखिलाय नमः
61. अखिलखग्लम्याय नमः
62. भूतात्मने नमः
63. भूतकृते नमः

64. बिभवे नमः
65. आङ्गाकृते नमः
66. अमरोदयोगिने नमः
67. कलिभीतसुरार्थिताय नमः
68. गुहादेशिने नमः
69. गुहागेहिने नमः
70. विष्णुर्म्मनिदेशकृते नमः
71. गुह्याय नमः
72. गुहाशयाय नमः
73. गूढाय नमः
74. भूरिदाय नमः
75. भूतिकृते नमः
76. ऋधाय नमः
77. भूभृत्स्थाय नमः
78. भूतिभूते नमः
79. भूभुजे नमः
80. भूतेशाय नमः
81. भूतभावनाय नमः
82. भद्राय नमः
83. भव्याय नमः
84. भवभिषजे नमः
85. भक्तपूज्याय नमः
86. पिनाकभूते नमः
87. मङ्गलाश्रमे नमः
88. मधुरवाचे नमः

89. स्मिताय नमः
90. मान्याय नमः
91. मधवे नमः
92. मुनये नमः
93. महातेजसे नमः
94. महितवाचे नमः
95. अलङ्काराय नमः
96. अमलाय नमः
97. अनघाय नमः
98. बालाय नमः
99. अबलैषणामुक्ताय नमः
100. आर्यभूवे नमः
101. आर्यसंश्रयाय नमः
102. शीलिने नमः
103. शिवगुरुप्रेष्ठाय नमः
104. आर्याश्रासुप्रजायै नमः
105. शिवाय नमः
106. परात्पराय नमः
107. त्रयस्त्रिंशत्कोटिदेवसुसन्नुताय नमः
108. उदारधिषे नमः
109. सत्यरूपाय नमः
110. कालटीजननाय नमः
111. अद्वयाय नमः
112. विद्यापतये नमः
113. बटवे नमः

114. वेद्याय नमः
115. चिन्मयाय नमः
116. चूर्णिकाप्रियाय नमः
117. श्रीमात्रार्थितगाईस्थाय नमः
118. श्रेयोधिषे नमः
119. श्रितदेशिकाय नमः
120. श्रीमुखाय नमः
121. श्रीधराय नमः
122. शुष्मिणे नमः
123. शसित्रे नमः
124. शुचये नमः
125. उज्ज्वलाय नमः
126. साधवे नमः
127. स्नेहसे नमः
128. संघिषंसवे नमः
129. सरिदाप्लुतविग्रहाय नमः
130. ग्राहग्रहव्याजलर्धप्रसूसन्याससम्मतये नमः
131. सन्यस्ताय नमः
132. संघमिने नमः
133. प्रैषिणे नमः
134. संसारत्यागतत्पराय नमः
135. अर्चिष्मते नमः
136. आतुगोविन्दाय नमः
137. प्रस्थिताय नमः
138. प्राप्तासदगुरवे नमः

139. आमोदिने नमः
140. निगमान्तङ्गाय नमः
141. एकानन्दरसात्रकाय नमः
142. श्रीरत्नसूत्रव्याख्यात्रे नमः
143. एकदण्डाय नमः
144. कषायभूते नमः
145. भक्तप्रपञ्चसच्छात्राय नमः
146. गोविन्दभगवत्प्रियाय नमः
147. हरिसरत्नचारिणे नमः
148. स्पृष्टगौडपदाभूजाय नमः
149. मातङ्गश्रीमहादेवीयोक्तिस्थापितसन्मताय नमः
150. यतितीर्थादिपूर्यन्तसम्प्रदायप्रवर्तकाय नमः
151. बादरायणवाग्वादिने नमः
152. बह्मशिष्यपरीवृताय नमः
153. पद्मपादसनाथाय नमः
154. योगप्राप्तहराचलाय नमः
155. आनीतलिङ्गकुलकाय नमः
156. आनन्दलहरीग्रहाय नमः
157. केदारेशप्रतिष्ठात्रे नमः
158. नेपालवरलिङ्गकृते नमः
159. काश्मीरादिक्लेशवासिने नमः
160. दुर्वादिमतखण्डनाय नमः
161. श्रीहस्तिगिरिनाथादिदिव्यक्लेशचराय नमः
162. सुधिये नमः
163. रुद्रभट्टोक्तिरुद्रान्ताय नमः

164. जितमगुनभारतये नमः
165. परकायप्रवेशागुपाङ्गशर्यमहागमाय नमः
166. गुहान्सिंहसंस्तुबलर्धदङ्ककराभुजाय नमः
167. सरस्वतीजयाध्यातयतीश्वरसुरेश्वराय नमः
168. हस्तमलकसेव्याङ्घ्रये नमः
169. तोटकार्यसुसेविताय नमः
170. चित्सुखोदङ्कसच्छात्रवन्दिताङ्घ्रये नमः
171. गुणाभुधये नमः
172. इच्छालङ्घिरीशात्रुने नमः
173. गौरीकान्ताय नमः
174. गुरुभुमाय नमः
175. गुरुराजाय नमः
176. गुणिने नमः
177. गोपे नमः
178. गोपनाय नमः
179. नराकृतये नमः
180. निर्माय नमः
181. नरकारातये नमः
182. नम्याय नमः
183. नाथाय नमः
184. निरङ्गनाय नमः
185. निस्स्पृहाय नमः
186. निष्कलाय नमः
187. नित्याय नमः
188. नामरूपविवेकवते नमः

189. नालीकाय नमः
190. निक्षिप्ताय नमः
191. नीरुजे नमः
192. निराशिषे नमः
193. निरामयाय नमः
194. निर्नतये नमः
195. निःस्वधाकाराय नमः
196. निःस्वाहाकृते नमः
197. निरीश्वराय नमः
198. नीरूपकाय नमः
199. निर्गुणाय नमः
200. निष्कर्मणे नमः
201. निर्व्यथाय नमः
202. वशिने नमः
203. निर्लेपाय नमः
204. नित्यपुष्टाय नमः
205. हृष्टाय नमः
206. तुष्टिजनाश्रयाय नमः
207. साक्षात्कारिणे नमः
208. सन्निधानाय नमः
209. सूरये नमः
210. सायङ्महाय नमः
211. यमिने नमः
212. सते नमः
213. सात्वते नमः

214. साङ्घिकाय नमः
215. सभ्याय नमः
216. सर्वमित्राय नमः
217. स्मरान्तकाय नमः
218. सशिष्याय नमः
219. सङ्ग्रहिणे नमः
220. ज्ययासे नमः
221. बलिने नमः
222. बाग्निने नमः
223. मितोत्तिकृते नमः
224. वाचंयमाय नमः
225. वरिष्ठाय नमः
226. व्याख्यानाख्यायिकापटवे नमः
227. परमाय नमः
228. परिभूवे नमः
229. प्रौढाय नमः
230. प्रान्ताय नमः
231. प्रीताय नमः
232. प्रियंवदाय नमः
233. प्रातर्दिने नमः
234. दह्ययोगिने नमः
235. प्रह्वाय नमः
236. प्रश्ननिरूपणाय नमः
237. पारङ्गताय नमः
238. पाशमुक्ताय नमः
239. परविदे नमः

240. प्रत्यङ्गीक्षित्रे नमः
241. अधिष्ठानविदे नमः
242. अव्याजाय नमः
243. एकबादिने नमः
244. द्वयासहाय नमः
245. स्वभूवे नमः
246. स्वराजे नमः
247. विराजे नमः
248. मौनिने नमः
249. स्वप्रकाशाय नमः
250. स्वयम्प्रभवे नमः
251. महते नमः
252. अरूपाय नमः
253. अव्यक्ताय नमः
254. परस्मै ज्योतिषे नमः
255. परस्मै पदाय नमः
256. परस्मै धाम्ने नमः
257. परसै कर्थायै नमः
258. परसै शक्त्यै नमः
259. परसै गतै नमः
260. परस्मै ओकसे नमः
261. परस्मै वस्तुने नमः
262. परस्मै रक्षणे नमः
263. परस्मै पुरो नमः
264. परायणाय नमः
265. परस्मै भावाय नमः

266. प्रशान्तात्माने नमः
267. प्रसादकाय नमः
268. प्रज्ज्ञानघनमूर्तये नमः
269. प्रशास्त्रे नमः
270. प्रत्यगर्थवते नमः
271. विज्ज्ञात्रे नमः
272. विश्वकृते नमः
273. वेधसे नमः
274. वेदवेद्यस्त्वैभवाय नमः
275. सत्यब्रताय नमः
276. सत्यपराय नमः
277. त्रिसत्याय नमः
278. सत्यनायकाय नमः
279. सत्यप्रतिष्ठाय नमः
280. सत्याशिषे नमः
281. सत्यार्थप्रेरकाय नमः
282. समाय नमः
283. ईक्षित्रे नमः
284. सच्चिदानन्दस्वरूपाय नमः
285. सदसत्पराय नमः
286. सत्यरूपाय नमः
287. सत्यसंस्थाय नमः
288. नगेशाय नमः
289. छात्रमानिताय नमः
290. नारदादिनुताय नमः
291. नम्राय नमः

292. नारीनरनबाकृतये नमः
293. व्यासजैमिनिबाग्नादिने नमः
294. शारदाविजयिने नमः
295. शमिने नमः
296. सुरेश्वराचार्यदत्तस्वाश्रमाय नमः
297. सूरिकेसरिणे नमः
298. अक्षितादिब्रातृकृत्यदूरवैदिकवर्त्तकृते नमः
299. कुकुलानलकूटस्त्रकुमारिलकृतानतये नमः
300. कुतर्ककर्कशस्त्राभूतकुलिशाय नमः
301. कविकेसरिणे नमः
302. कुवादिमदमन्त्रेभपञ्चासयाय नमः
303. कलिनाशनाय नमः
304. योगरोगहराय नमः
305. साङ्ख्यसङ्ख्यावते नमः
306. अमितदुतये नमः
307. जितजैनप्रतिष्ठस्तुस्तुनोच्छाटनामनवे नमः
308. वैशेषिकविशेषोक्तिविशेषणविचक्षणाय नमः
309. निरस्तद्वैतिमूर्धन्यशैवभागवतागमाय नमः
310. काशीनगरनिर्मातृराजसेननृपार्चिताय नमः
311. वरदालयनिर्मात्रे नमः
312. एकाग्रनाथपदोद्धराय नमः
313. गुहास्तुतिचलाचाण्ड्यखण्डनाय नमः
314. कालखण्डनाय नमः
315. कामकोष्ठधरात्रीडाय नमः
316. कामकोटिपदाश्रयाय नमः

317. कामाङ्गीवरिवस्यार्कते नमः
318. कालहस्तीश्वरार्चनाय नमः
319. कुण्डसोपानसुप्रपशेषाचलशिरःपदाय नमः
320. दिव्याय नमः
321. दीव्यद्भस्मवर्चसे नमः
322. दीनरम्भिणे नमः
323. दरापहाय नमः
324. देवदेवाय नमः
325. दीनबन्धवे नमः
326. दयिताय नमः
327. दीनदैन्यहते नमः
328. दोषदूराय नमः
329. दुष्टरिपवे नमः
330. दुर्वासःश्लाघिताय नमः
331. अदराय नमः
332. द्रविणादेय्येणेत्यागिने नमः
333. दोषञ्ज्वाय नमः
334. दूरदर्शनाय नमः
335. दीर्घदर्शिने नमः
336. दौःस्थ्यदूराय नमः
337. दारिद्र्यदमनाय नमः
338. दयिने नमः
339. दलिताशेषधीदोषाय नमः
340. विस्तृतद्वैतवैभवाय नमः
341. क्षेत्त्राटनक्रमब्राह्मकृतस्मभारतमण्डलाय नमः

342. কৈলাসসেবিনে নমঃ
343. বদরীনারাযণপদাশ্রযায নমঃ
344. কামরূপার্চনায নমঃ
345. অকামায নমঃ
346. কাশ্মীরেশ্বরসেবকায নমঃ
347. অবন্তীদ্বারকাযোধ্যামাযাকাংক্ষীমহীপ্রিয়ায নমঃ
348. কালীঘটহরিদ্বারজম্রদেবীপ্রয়াগগায নমঃ
349. শ্রীশৈলেশজগন্নাথপুরুষোত্তমভীমগায নমঃ
350. ত্র্যম্বকোজ্জযিনীবিন্ধ্যবাসিনীসেবনাপরায নমঃ
351. সেতুকন্যাকুমারীগায নমঃ
352. জনার্দনজনার্তিষ্লে নমঃ
353. অনন্তপুরবৈষাঙ্ঘ্রবৃষাচলপদাশ্রযায নমঃ
354. কালটীকলভায নমঃ
355. কল্যায নমঃ
356. সরঃশরঝরীচরায নমঃ
357. কৃত্ৰ্ণকর্ণাটপাণ্ড্যাক্ষচেরচোলমহীচরায নমঃ
358. শ্রীনীপতিব্রন্যগ্রোধছাযাশ্বেতবনাশ্রযায নমঃ
359. মান্যশ্রীরঙ্গমধুরার্জুনশাযিপুৱাশ্রযায নমঃ
360. অখিলাণ্ডেশ্বরীরত্নতাটক্কন্যস্তযন্ত্ররাজে নমঃ
361. কাংক্ষীগুহাচ্ছদন্যস্তচক্ররাজপরিস্তরায নমঃ
362. ভূম্যেপ্তেজোনিলাকাশলিঙ্গসেবাধৃতাদরায নমঃ
363. সত্যব্রতস্থলস্থায়িনে নমঃ
364. কামকোটিমঠাস্পদায নমঃ
365. চিদম্বরসভান্যস্তমোক্ষলিঙ্গায নমঃ
366. অলিঙ্গকায নমঃ

367. ऋशयैश्वर्यश्रमन्यस्तुभोगलिङ्गाय नमः
368. ऋतुस्तुरिणे नमः
369. शारदामान्यसन्देशाय नमः
370. सर्वज्ञाय नमः
371. सर्वपापनुदे नमः
372. शारदामठसङ्क्षुप्तशारदापीठपावनाय नमः
373. शारदास्थापनापूतऋशयैश्वर्यगिरिस्तुलाय नमः
374. अशरीरबचोव्यूढकामकोटिमठस्थितये नमः
375. कामकोटिमहापीठमध्यदृश्यमहामणये नमः
376. कालझाय नमः
377. कामदुहे नमः
378. कान्ताय नमः
379. शारदाजैत्रबाङ्गुखाय नमः
380. कामकोटिधरागोष्ठीने नमः
381. कर्मन्दिकुलशेखराय नमः
382. शिष्यसङ्घपरञ्जानब्रततीदोहदप्रदाय नमः
383. मठान्नायमहान्नायसेतुकेरलधर्मकृते नमः
384. पूर्यस्तुतीर्थप्रमुखशिष्यागमविवेचनाय नमः
385. आनन्देन्द्राभिधापूर्वसरस्वत्याङ्गुयागमाय नमः
386. आनन्दमयजानन्दिबागजयख्यातवाकपदाय नमः
387. योगेश्वरार्चानिरताय नमः
388. योग्याय नमः
389. योगविदां वराय नमः
390. सुस्थिताय नमः
391. सुस्थिराय नमः

392. शिङ्गाय नमः
393. श्वाश्ववे नमः
394. श्वेमे नमः
395. स्थितिप्रदाय नमः
396. सत्यव्रतपदप्राप्तुर्गम्भीरबाय नमः
397. अशरीरवते नमः
398. दुष्टरापारसंसारपारतारणकृत्तुरये नमः
399. कृत्तारिवर्गसंशान्तस्वान्तलक्ष्यैवैभवाय नमः
400. अनातुराय नमः
401. अतुलिताय नमः
402. सद्वृत्ताय नमः
403. साधुदर्शनाय नमः
404. षडदशनीपारदृष्टने नमः
405. षडध्वातीतमानसाय नमः
406. अदोषाय नमः
407. दुर्जयाय नमः
408. अदूनाय नमः
409. दुर्धर्षाय नमः
410. अपुनर्भवाय नमः
411. शुद्धाय नमः
412. ऋद्धाय नमः
413. प्रबुद्धात्माने नमः
414. सिद्धाय नमः
415. प्रेद्धाय नमः
416. समुद्धराय नमः

417. समिद्धाय नमः
418. प्रतिभाविद्धाय नमः
419. सारङ्गाय नमः
420. सर्वशास्त्रविदे नमः
421. सुधास्वादुबचसे नमः
422. सूक्ष्ममतये नमः
423. मोहतमोरबये नमः
424. महायशसे नमः
425. महाशीलाय नमः
426. महौजसे नमः
427. महामुनये नमः
428. महनीयाय नमः
429. महासत्त्वाय नमः
430. माननार्हाय नमः
431. महाथविदे नमः
432. मायातत्त्वविदे नमः
433. अव्यग्राय नमः
434. महीमण्डलपञ्चिताय नमः
435. मातृकृत्यासाह्यकर्मशङ्कुकैरलभूसुराय नमः
436. यथाप्रतिश्रवाचीर्णस्मृतमातृप्रतिश्रुतये नमः
437. रवीन्दुदृशे नमः
438. दोर्मन्त्रेखाग्निसन्दीपिताम्बिकाय नमः
439. रसङ्गाय नमः
440. रसितान्नायाय नमः
441. रागद्वेषहराय नमः

442. महते नमः
443. राजयोगिने नमः
444. आप्तकामाय नमः
445. निराशाय नमः
446. मातृवत्सलाय नमः
447. कामतन्त्रकलापुर्थकायान्तरनिवेशनाय नमः
448. काव्यरत्नविनिर्माणलघोदात्तकविप्रथाय नमः
449. माधुर्यधुर्यरुणितये नमः
450. मधुराधीशमानिताय नमः
451. ज्योतिःपुरेशविनुताय नमः
452. पारेजयपुरस्त्रितये नमः
453. विरूपाम्बुसुलासेविने नमः
454. विजयाख्यपुरीचराय नमः
455. विदिशादेशविहृतये नमः
456. विश्वनाथपदप्रियाय नमः
457. पाटलीपुत्रसंस्थानाय नमः
458. विष्णुपादप्रसेवनाय नमः
459. गयावटद्रुमूलस्थाय नमः
460. भद्राचलनिरुत्तधिये नमः
461. वृन्दावनान्तसङ्गारिणे नमः
462. व्यासाचलबिलाश्रयाय नमः
463. ओङ्कारकुण्डविहृतये नमः
464. मल्लिकार्जुनमण्डिये नमः
465. श्रीपङ्कनदपङ्कास्यशिष्येष्णुनिषेविताय नमः
466. अहोबिलगुहारामाय नमः

467. कमलाङ्काय नमः
468. कलानिधये नमः
469. कलिध्वंसिने नमः
470. कामरूपाय नमः
471. कामचाराय नमः
472. कलामयाय नमः
473. परमेष्ठिने नमः
474. वशप्राणाय नमः
475. कामाङ्गीसेवनोत्सुकाय नमः
476. प्राणदाय नमः
477. प्रणयिने नमः
478. पुष्टाय नमः
479. सर्वतन्त्रस्वतन्त्रधिने नमः
480. स्वतन्त्रात्माने नमः
481. नास्तिकान्तकृते नमः
482. प्रधिने नमः
483. आसनाश्वविदे नमः
484. दक्षपङ्क्तिकोत्सेधाय नमः
485. दक्षिण्यनिधये नमः
486. अक्षताय नमः
487. दक्षाय नमः
488. दक्षिणदिक्त्रिङ्गाय नमः
489. कालत्रयविदे नमः
490. आस्तिकाय नमः
491. आदेष्टे नमः
492. अपौरुषाय नमः

493. धवस्तुकापालिकमतक्रमाय नमः
494. कामिनीविमुखाय नमः
495. काम्याय नमः
496. कर्मत्यजे नमः
497. कर्मणाय नमः
498. कृतिने नमः
499. कल्याणगुणशीलाय नमः
500. क्रियामुक्ताय नमः
501. कृपाघनाय नमः
502. कीर्तिमते नमः
503. कृतयोगेशपूजात्रातजगज्जनाय नमः
504. धम्मिल्लपुरराज्यश्रीबालार्चननृपार्चिताय नमः
505. वेदान्तभास्कराय नमः
506. ज्ञानचन्द्राय नमः
507. ऐश्वर्यवारिधये नमः
508. नेपालदेशभूपालवृषदेवोपदेशकृते नमः
509. कैलासकूटसङ्क्षुप्तपशुपत्यर्चनाविधये नमः
510. सौगतव्रातनिष्कासपटवे नमः
511. वैराग्यबोधकाय नमः
512. सुधीमणये नमः
513. दिव्यदर्शिने नमः
514. देवदैन्यहृते नमः
515. अब्रमाय नमः
516. प्रसन्नकमलादतुदरिद्रराम्कनीनिधये नमः
517. सम्पुल्लकुसुमप्रख्यमन्दमन्दस्मितकुसुराय नमः

518. चिन्मुद्रापरिधूतान्तेवासिपुङ्गवसंशयाय नमः
519. हरिहारिवचोहासभस्मसात्कृतभैरवाय नमः
520. समाश्रितसुधन्वात्तपादुकानित्यपूजनाय नमः
521. नमःशेषिणे नमः
522. नामपराय नमः
523. नन्दिताशेषविष्टपाय नमः
524. एकदंष्ट्रिणे नमः
525. कषायिणे नमः
526. मुष्टिणे नमः
527. खण्डितसौगताय नमः
528. दिगम्बरादिदुःसिद्धसिद्धान्तविनिर्बर्णाय नमः
529. मल्लिकाश्वेतदशनाय नमः
530. महिलादूरमानसाय नमः
531. कामारिमूर्तये नमः
532. कुतूकिने नमः
533. कमनीयगुणकराय नमः
534. सोमोद्भवतटीकूपुसौम्यगोविन्दसेवनाय नमः
535. मालिकाप्रियचालुक्यराजपूजितविग्रहाय नमः
536. अत्याश्रमवर्णिनाय नमः
537. श्रिये नमः
538. श्रितकल्लद्रुमाय नमः
539. अश्रमाय नमः
540. मरुद्बुधजलम्बायिने नमः
541. घटोद्भवसुदर्शनाय नमः
542. स्वयंविनम्रवृक्षाग्रशाखापिर्तिफलाशनाय नमः

543. वर्षद्रलाहकोन्मुक्तनीरासाराध्वमध्यगाय नमः
544. समुज्ज्वलदवज्ज्वालादतुवीथीवनाश्रयाय नमः
545. शरारम्भगनिर्व्यूढसरणीयसृतिद्रमाय नमः
546. सदानुकूलपवनाय नमः
547. वसिष्ठाय नमः
548. वाग्यताय नमः
549. वराय नमः
550. समीभवत्समुत्पाताय नमः
551. पांसून्मुक्तपथान्तराय नमः
552. तुषारशीकरस्पृष्टश्लिष्टपिष्टादनक्रियाय नमः
553. मकरन्दवरीमान्यमधुरोक्तये नमः
554. महाकवये नमः
555. कमण्डलूदरकोडीकृतकल्लोलिनीवराय नमः
556. अमृष्टभस्मक्लिन्नांशुकान्तनीरचरस्थितये नमः
557. बेलाधामव्युदस्तार्धये नमः
558. मृतसङ्गीबनेष्फणाय नमः
559. महाव्याधिप्रशमनाय नमः
560. मदग्लाय नमः
561. मृगवश्यकृते नमः
562. जडकुर्जादिसञ्ज्ञाविणे नमः
563. लतापुष्पकृतार्चनाय नमः
564. सौवस्तिकत्रोष्टुर्बन्दाय नमः
565. सौखसुप्तिककौशिकाय नमः
566. सौप्राभातिककालकोलाय नमः
567. सौखासनिकपन्नगाय नमः

568. सौखगायनकृद्धेकाय नमः
569. सौवातिथ्यकपुष्पलिहे नमः
570. सौवागतिकशार्दूलाय नमः
571. सौखोन्मृष्टिकवृश्चिकाय नमः
572. सौस्नातिकप्रश्रवणाय नमः
573. सौवभ्यञ्जनिकाश्रुदाय नमः
574. सौबीजितिकवातूलाय नमः
575. सौवनातपिकद्रुमाय नमः
576. सौवासितिकपञ्चासयाय नमः
577. सौवक्कसिकबाहसाय नमः
578. सौविहासिकमन्त्रेभाय नमः
579. सौवध्युषितकृद्गुहाय नमः
580. सौप्रस्थितककान्तराय नमः
581. सौशाकुनिकमौकलाय नमः
582. सौवापीतिकवेशन्त्राय नमः
583. सौजङ्गिकफलेग्रहये नमः
584. सौविलिप्तिकभूधूलये नमः
585. सौवस्त्रकपटच्छराय नमः
586. सौजापितिकभल्लुकाय नमः
587. सौवधीतिकचातकाय नमः
588. सौसंवित्तिकगोपुच्छाय नमः
589. सौबुदगीतिककोकिलाय नमः
590. सौखप्रवृद्धिकश्वाविधे नमः
591. सौवाह्निकदिवाकराय नमः
592. सौरात्रिकतुषारांशवे नमः

593. सौयामिकदिबानिषाय तमः
594. अवाचे नमः
595. अकायाय नमः
596. अचिन्ताय नमः
597. दण्डिने नमः
598. द्वैततमोरवये नमः
599. षड्गुणाय नमः
600. सप्तभङ्गीस्याद्वादभेदिने नमः
601. अष्टसिद्धिमते नमः
602. त्र्यम्बकमूर्तये नमः
603. चतुर्वर्गसुरभये नमः
604. ऋद्धिबेधित्रे नमः
605. श्रीनवावरणार्चादिविद्याचार्याय नमः
606. अदशाय नमः
607. अजराय नमः
608. रुद्रैकादशिनीजापन्नपितार्थेन्दुशेखराय नमः
609. निर्गन्धाय नमः
610. न्यस्तकर्मोघाय नमः
611. निःश्रेयसरताय नमः
612. अरतये नमः
613. निरन्ताय नमः
614. नीरुजाय नमः
615. अनीडाय नमः
616. नियमब्रजधूर्वहाय नमः
617. निगुन्तशतनिर्दिष्टनिर्दुष्टाद्वैतपद्धतये नमः

618. सङ्केतपशारीरककृतसर्वज्ञात्पार्षितासनाय नमः
619. नैष्कर्म्यसिद्धिकृद्दार्तिककृद्देवेश्वरान्तराय नमः
620. प्लुष्टटीकापञ्चपादीपाठतोषितपद्मपदे नमः
621. हस्तमलकिताध्यातृहस्तमलकहंसकाय नमः
622. ब्रह्मन्दानन्दगिरितोटकप्रकटाग्र्यधिये नमः
623. चित्सुखाचार्यकुण्डलाचर्याविख्यापिताश्रमाय नमः
624. उपदेशसहस्रादिप्रथितप्रकटाद्वयाय नमः
625. आन्नायाष्टकनिर्देष्टे नमः
626. मध्यमोन्नायनिर्णीताय नमः
627. विजृम्भणदशाध्वस्ततथागतपथागताय नमः
628. द्वारकामठनिर्मात्रे नमः
629. कालिकापीठकल्लकाय नमः
630. सिद्धेश्वरसपर्याकृते नमः
631. भद्रकालीप्रसादनाय नमः
632. छन्दोगाय नमः
633. कीटवारस्थाय नमः
634. गोमतीतीर्थसेवनाय नमः
635. स्वरूपरत्नचार्यार्यपद्मपादनिदेशकृते नमः
636. आश्रमिणे नमः
637. तद्धमस्यादिमहावाक्यार्थरूपवते नमः
638. ज्योतिर्मठकराय नमः
639. ज्योतिष्मतीपीठनिदेशकृते नमः
640. बदर्याश्रमसंस्थानाय नमः
641. अलकनन्दावगाहनाय नमः
642. आथर्वणाङ्गिरोवेदिने नमः

643. श्रीपूर्णागिरिसेवकाय नमः
644. गोवर्धनमठीनाथाय नमः
645. गिरियोगपटाश्रयाय नमः
646. पुरुषोत्तमसत्क्लेत्रिणे नमः
647. विमलापीठकल्लकाय नमः
648. शतानन्दाय नमः
649. शतौजसे नमः
650. दशेन्द्रियविनिग्रहाय नमः
651. श्रीतुन्दलितदेशश्रीश्वशृङ्गगिरिश्रयिणे नमः
652. शारदावचनख्यातव्याख्यापीठाधिरोहणाय नमः
653. रामचन्द्रपुरक्लेत्रिणे नमः
654. तुङ्गभद्रातटाश्रमिणे नमः
655. बराहदेवतासारशारदाह्वयशक्तिभूते नमः
656. भूरिवारिणे नमः
657. कृष्णयजुर्वेदिने नमः
658. श्रीभारतीपदाय नमः
659. विभक्तकाधिष्ठानसुमलहानिकरेशदृशे नमः
660. विरूपाम्बुमहादेवमहनीयपदाश्रयाय नमः
661. मनीषिमण्डलीमान्यमौलान्नायमहागुरवे नमः
662. प्राच्यप्रतीच्यावाच्योदीच्यान्नायादिमदेशिकाय नमः
663. प्राच्यान्नायसुविन्यस्तुहस्तमलकसंस्तुताय नमः
664. प्रतीच्यान्नायसन्देशनानन्दितसनन्दनाय नमः
665. अवाच्यान्नायनिष्क्रिप्तपृथ्वीधरनताङ्घ्रिकाय नमः
666. उदीच्यान्नायजानन्दानन्दगिषडिबन्दिताय नमः
667. कामकोटीपीठपतये नमः

668. कम्पावेगवतीचराय नमः
669. एकाग्रनाथचरणसरोजातमधुरताय नमः
670. कामाक्षीचरणद्वन्द्वपादुकार्चनतत्पराय नमः
671. श्लेष्मेदात्माने नमः
672. पररत्नव्यवस्थापनधीरक्षिणे नमः
673. सत्यव्रतसमाख्यातकाण्ड्यन्तरितविग्रहाय नमः
674. सर्वज्ञपीठाध्यारोहलुप्तसार्वज्ञ्यसंशयाय नमः
675. सुरेश्वरादिसच्छात्रसमाराधितपादुकाय नमः
676. मीमांसान्वयपारीणाय नमः
677. काणादाम्बुपदाध्वविदे नमः
678. द्वात्रिंशदायुःकलितत्रिःप्रदम्बिणभूतलाय नमः
679. आसेतुहिमशैलान्तधर्मस्थापनदेशिकाय नमः
680. विद्यावशीकृतशेषदेशविद्वज्जनार्चिताय नमः
681. जगद्गुरवे नमः
682. जगद्योनये नमः
683. शास्त्रयोनये नमः
684. समन्वयिने नमः
685. स्पष्टास्पष्टरत्नलिङ्गिने नमः
686. साङ्ख्ययोगविमर्शकृते नमः
687. वैयाकरणधीशोधिने नमः
688. वसिष्ठाय नमः
689. ककुबजराय नमः
690. गौतमीयवचोमुद्रिणे नमः
691. वैशेषिकमदापहाय नमः
692. शौद्धोदनिमदोत्सादिने नमः

693. जैमिनीयकुदृष्टिहते नमः
694. दिगभ्ररनयान्तुल्लाय नमः
695. ध्वस्तपाशुपतक्रियाय नमः
696. शून्यानुवादनिर्हर्त्रे नमः
697. भिन्नभागवतागमाय नमः
698. विनोदनिर्मितप्रीटन्यायगञ्जीरभाष्यकृते नमः
699. व्याख्यातजीवचरिताय नमः
700. विश्वसृष्टिविशारदाय नमः
701. स्थितिसीमाविभागज्ञाय नमः
702. प्रलयार्थप्रकाशकाय नमः
703. संसारतत्त्वसञ्ख्यावते नमः
704. मायातत्त्वनिरूपणाय नमः
705. समूलाविद्यकोध्यारोपान्मूलनविचक्षणाय नमः
706. संसारतारणोपायसन्दर्शनपटिष्ठवाचे नमः
707. रसिकाल्लादजनकमहावाक्यचमत्कृतये नमः
708. ध्वनिप्रधानामरुक्शतश्लोकमहाकवये नमः
709. रत्नसूत्ररत्नशिखागीताप्रस्थानभाष्यकृते नमः
710. प्रत्यग्रन्थैक्यबोधाध्वदर्शिने नमः
711. मोक्षाध्वदर्शकाय नमः
712. निरन्तरकृतान्नायशिरोनिगदशीलनाय नमः
713. वेदान्तवनहर्षकाय नमः
714. तत्त्वज्ञानमहोदधये नमः
715. तरुणाय नमः
716. तरुणीदूराय नमः
717. तारापतिसमच्छवये नमः

718. तारकरुम्मततुङ्गाय नमः
719. तपस्विने नमः
720. तपसानुगाय नमः
721. तपत्रयविनिर्मुक्ताय नमः
722. नलिनोक्तिनिरासकृते नमः
723. अलङ्कृतिने नमः
724. अतिमान्यश्रियै नमः
725. आत्तुविदे नमः
726. ररुम्भविभुमाय नमः
727. ररुम्भग्याय नमः
728. ररुम्भभूताय नमः
729. स्वाधिष्ठानाधिगतकाधिगाय नमः
730. कृतपुण्यस्थलीयात्राय नमः
731. उधर्मान्नायार्थतुङ्गविदे नमः
732. कैवल्यक्षेत्रविजयिने नमः
733. शुद्धमानसतीर्थकाय नमः
734. सुमेरुमूलसङ्गारिणे नमः
735. मायाशक्तिविभावनाय नमः
736. सत्यज्ञानाभिधाह्वानिने नमः
737. अखण्डानन्दमूर्तिमते नमः
738. सोहंशिबोहंबाक्यश्रियै नमः
739. प्रत्यगाम्नायवेदनाय नमः
740. निरङ्गनेश्वरासेविने नमः
741. श्रीकराय नमः
742. सम्प्रदायभूते नमः

743. विद्यापीठमहायोगिने नमः
744. परमात्मुमठाश्रयाय नमः
745. त्रिपुटीतीथविहृतये नमः
746. योगक्षेत्रादिबाकराय नमः
747. श्रीविद्याशक्तिजपनाय नमः
748. मन्त्रिणे नमः
749. सन्तोषनैगमिने नमः
750. परहंसपरिव्राजे नमः
751. श्रीसिद्धाख्यैर्ऋचर्यभूते नमः
752. मातृकैकमहावाक्याय नमः
753. क्षेत्रज्ञाय नमः
754. अम्बरतः पराय नमः
755. निष्कलाम्नायनिरताय नमः
756. शान्तिदाप्तिश्रुताय नमः
757. चित्तै नमः
758. आनन्दपीठसंविष्टाय नमः
759. स्वानुभूतिपदाश्रयाय नमः
760. श्रद्धामैत्र्यादिनिर्देष्टाय नमः
761. सच्चिन्मठसमाश्रयाय नमः
762. नभस्तीर्थाय नमः
763. नभोदर्शिने नमः
764. नभसे नमः
765. चिच्छक्तिचित्तनाय नमः
766. प्रणवप्रणयिने नमः
767. नम्रिणे नमः

768. नन्दगोपजपूजकाय नमः
769. भूमे नमः
770. रश्मानन्दनाम्ने नमः
771. कूटस्थाय नमः
772. अम्बराय नमः
773. ईष्टदाय नमः
774. पराकप्रत्यग्भिन्नाय नमः
775. सकलात्माने नमः
776. अकलाय नमः
777. पुरवे नमः
778. पुरुषाय नमः
779. पुष्कलाय नमः
780. पूर्णाय नमः
781. सत्तामात्राय नमः
782. पुरातनाय नमः
783. भोगयोगिने नमः
784. योगभोगिने नमः
785. भुवनात्माने नमः
786. बनेचराय नमः
787. भूतिकृते नमः
788. भूतिदाय नमः
789. भूताय नमः
790. भूरिषाय नमः
791. भूतभावुकाय नमः
792. चक्रभूते नमः
793. चक्रराजार्चासम्प्रदायप्रवर्तकाय नमः

794. चक्रिभूषणभूताञ्जने नमः
795. चक्रपाणिनिषेविताय नमः
796. चक्रवर्तिशिरोभूषाशेषायितनखच्छवये नमः
797. चामीकरीकृतमद्रदरिद्रराम्नीगृहाय नमः
798. चतुरोदारगङ्गीरवाक्यनिर्भरवादकृते नमः
799. चण्डलाय नमः
800. चन्द्रचूडाञ्जने नमः
801. जितचम्पकनासिकाय नमः
802. चर्चिताशेषभूचक्रसङ्गारिमतसङ्गयाय नमः
803. चालिताद्वैतविज्ञानाय नमः
804. चराय नमः
805. चित्रिणे नमः
806. चिदम्बराय नमः
807. टीर्णसत्यत्रैतस्थानचिरन्तनसुखासिकाय नमः
808. चूर्णितच्छात्रहृदग्रस्थये नमः
809. चूर्णपूर्णदुरासकृते नमः
810. प्रतिष्ठापकधौरेयाय नमः
811. प्रतिष्ठितमहायशसे नमः
812. प्रौढविज्ञानवादिस्वर्गसर्वस्वोदिताय नमः
813. नन्दिताशेषभूचारिणे नमः
814. यतिधर्मविमर्शकृते नमः
815. दर्शिताध्यात्र्याथात्र्याय नमः
816. सुधीसङ्घनिषेविताय नमः
817. नदीनदसरस्तीर्थाप्लावपावितविग्रहाय नमः
818. पण्डितव्रातपाण्डित्यप्रमोक्षणपटुदिताय नमः

819. तत्पदार्थप्रकटनाय नमः
820. त्वम्पदार्थविवेककृते नमः
821. नित्यानन्दाय नमः
822. निरालम्बाय नमः
823. निरम्भाय नमः
824. निखिलेष्ककाय नमः
825. नित्यधिये नमः
826. नित्यसङ्कल्पाय नमः
827. निधिस्थाय नमः
828. निरविद्यकाय नमः
829. नित्यवासिने नमः
830. नित्यशुचये नमः
831. निर्लुर्धाय नमः
832. निगमारिन्ध्रे नमः
833. निरङ्गनाय नमः
834. नित्यपूज्याय नमः
835. नित्यमुक्ताय नमः
836. निरीश्वराय नमः
837. निष्कर्त्रे नमः
838. निष्कृतये नमः
839. निःस्वाय नमः
840. निष्काय नमः
841. निखिलवासभुवे नमः
842. पुरीशाय नमः
843. पूर्वगाय नमः

844. पुण्याय नमः
845. पूर्वनामिने नमः
846. पुरप्रियाय नमः
847. विख्यातवीर्याय नमः
848. विदेशाय नमः
849. श्रीविद्याषोडशीगुरवे नमः
850. लम्ब्यै नमः
851. लम्क्याय नमः
852. लम्बगाय नमः
853. लम्कण्डाय नमः
854. लसत्पदाय नमः
855. ह्रीमते नमः
856. हंसगतये नमः
857. हंसाय नमः
858. हंसश्वेतहृदभ्रुजाय नमः
859. हंसमन्त्रार्थतत्त्वज्ञाय नमः
860. हंसवर्णाय नमः
861. हरिप्रियाय नमः
862. हर्षामर्षसहाय नमः
863. हासकुशलाय नमः
864. हानिबुद्धिनुदे नमः
865. सभ्याय नमः
866. सभापतये नमः
867. स्वामिने नमः
868. सङ्गतये नमः

869. सञ्जवापहाय नमः
870. ह्रीबेरशीतलस्त्रायाय नमः
871. ह्रीमतीहारिताम्बायाय नमः
872. लक्ष्मिताम्रेश्वरार्थाय नमः
873. लक्ष्मकोट्यम्बिकायाय नमः
874. ललिताम्बाय नमः
875. लयज्जात्रे नमः
876. लक्ष्म्याय नमः
877. लक्ष्मिर्वासाय नमः
878. कञ्जकण्ठाय नमः
879. कलिध्वजिने नमः
880. कल्याणाम्बुने नमः
881. कलध्वजिने नमः
882. भूषिताम्बुर्वाणिचक्राय नमः
883. भूगाय नमः
884. भूसुरसेविताय नमः
885. यागविदे नमः
886. योगविदे नमः
887. युक्ताय नमः
888. यशोदाय नमः
889. यमप्रियाय नमः
890. ओम्कारव्याहृतिव्याघ्राय नमः
891. नमितारातिमङ्गलाय नमः
892. नागशैलशिरश्चारिणे नमः
893. रामगिर्याश्रमाश्रयाय नमः
894. बाङ्गितार्थप्रदाय नमः

895. शर्वाय नमः
896. अदीनाय नमः
897. मोदमेदुराय नमः
898. यतिचर्याविवेकज्ञाय नमः
899. यतधिये नमः
900. यतभावनाय नमः
901. ओङ्कारिणे नमः
902. वितताद्वैतश्रुतिन्यायाय नमः
903. कृपानिधये नमः
904. यन्त्रे नमः
905. यतमनसे नमः
906. यम्याय नमः
907. यज्ञाङ्गाय नमः
908. यज्ञभूषणाय नमः
909. यज्ञाय नमः
910. यज्ञपतये नमः
911. यज्ञने नमः
912. यज्ञभूवे नमः
913. यज्ञभावनाय नमः
914. कृपार्पितकरालायाय नमः
915. विध्वस्तविधये नमः
916. अणुसूवे नमः
917. निखिलस्त्रातलाचार्याय नमः
918. पाषण्डमतखण्डनाय नमः
919. प्रतिष्ठापकमूर्धन्याय नमः
920. मताद्वयमहानयाय नमः

921. परिव्राजकधूर्बोद्रे नमः
922. अनन्तधुरे नमः
923. अन्तरान्तराय नमः
924. मुक्ताय नमः
925. मुकुन्दाय नमः
926. मध्यस्थाय नमः
927. मददूराय नमः
928. मनोमयाय नमः
929. शान्ताय नमः
930. शुभङ्कराय नमः
931. शुक्राय नमः
932. शूराय नमः
933. शोकविवर्जिताय नमः
934. भिष्कवे नमः
935. तरङ्कवे नमः
936. ऋमित्रे नमः
937. अङ्कतये नमः
938. साङ्कतार्चनाय नमः
939. राजराजार्चिताय नमः
940. रङ्ग्याय नमः
941. रङ्गकाय नमः
942. रश्मिमते नमः
943. रमाय नमः
944. रमणाय नमः
945. रसबादिने नमः
946. रजताद्रिनिकेतनाय नमः

947. असूलाय नमः
948. अनणवे नमः
949. ह्रस्वाय नमः
950. मनवे नमः
951. मेधायै नमः
952. महामनसे नमः
953. बह्मपादाय नमः
954. बह्मभुजाय नमः
955. बह्मशीर्षाय नमः
956. बह्मप्रियाय नमः
957. नास्तःप्रज्जाय नमः
958. नप्रज्जाय नमः
959. नबहिःप्रज्जाय नमः
960. नाप्रज्जाय नमः
961. प्रज्जानघनाय नमः
962. विज्जानात्तुने नमः
963. विलासकृते नमः
964. प्रियाप्रियस्पर्शहीनाय नमः
965. अमृताय नमः
966. आकाशदेहवते नमः
967. अभूमये नमः
968. अजलाय नमः
969. अनग्नये नमः
970. अवायवे नमः
971. अनश्वराय नमः
972. अग्राह्याय नमः

973. अद्रेष्यकाय नमः
974. अश्रोत्रे नमः
975. श्रोत्रे नमः
976. कर्त्रे नमः
977. अकर्तृकाय नमः
978. अगन्काय नमः
979. अरसकाय नमः
980. अरूपाय नमः
981. अस्पर्शाय नमः
982. अशर्दाय नमः
983. शर्दभाजे नमः
984. मन्त्रे नमः
985. अमन्त्रे नमः
986. अनुमन्त्रे नमः
987. बोद्धे नमः
988. अबोद्धे नमः
989. प्रबोधकृते नमः
990. एकाय नमः
991. अनेकाय नमः
992. केवलात्माने नमः
993. सर्वस्मै नमः
994. संसारमोचनाय नमः
995. नित्यशुद्धाय नमः
996. नित्यवृद्धाय नमः
997. नित्यमुक्ताय नमः
998. निराश्रयाय नमः

999. हार्दविद्यातमश्चेत्त्रे नमः
1000. भक्तहृत्पद्मभास्कराय नमः



श्रीमत्-शङ्कर-भगवत्पाद-सहस्रनामानि (अर्थसहितानि)

1. □□□□□□□□ — श्रीं कुருவே நமஸ்காரம்
2. □□□□□□□□□□ — சுத்தமான ஹ்ருதயத்தை உடையவர்
3. □□□□□□□□ — உயர்ந்தவர்
4. □□□□□□ — (அவாக்கள்) அடங்கிய மனதை உடையவர்
5. □□□□□□□□ — கருணையின் கருவூலமானவர்
6. □□□□□□ — புற புலன்களை அடக்கியவர்
7. □□□□□□□□ — பொறுமை உடையவர்
8. □□□□□□□□ — சந்திரன் போல் பிரகாசிப்பவர்
9. □□□□□□□□□□ — (ஸம்ஸாரிகளின்) செயல்களை விடுத்தவர்
10. □□□□□□□ — மனதையும் புலன்களையும் ஸத்விஷயங்களில் நிறுத்தியவர்
11. □□□□□ — அழகுற எப்பொழுதும் காரியங்களில் முற்பட்டவர்
12. □□□□□□□□ — மனதை அடக்கியவர்
13. □□□□□□□□□□ — (ஸாஸ்த்ரம் மற்றும் குரு வாக்கியத்தில்) நம்பிக்கை உடையவர்
14. □□□□□□□□ — (தக்ஷிணாமூர்த்தி வடிவில் காலவரையறையற்றவராக முந்தையவர்களுக்கெல்லாம் குருவாக) தொன்றுதொட்டு இருப்பவர்
15. □□□□□ — (மக்கள் நல்வழியில் வரமாட்டார்களா என்ற) அவா கொண்டவர்

16. □□□□□□□□□□□□ — ப்ரஹ்மாவால் போற்றப்பட்டவர்
17. □□□□□□□□□□□□ — விடாது நன்னடத்தையில் திறம்பட இருப்பவர்
18. □□□□ — திறமைசாலி
19. □□□□□□□□□□□□ — (வேதத்தின் உச்சியில்) வேதாந்தத்தில் (ஆசார்யனாக) நின்றவர்
20. □□□□ — ஸிவனாரின் (அவதாரமானவர்)
21. □□□□□□□□□□□□ — தூயதை நன்கு போதிப்பவர்
22. □□□ — (உணர்ச்சிகளை) தன் கட்டுக்குள் வைத்தவர்
23. □□□□□□□□□□□□ — (மூல வடிவில்) உலகத்தை ஆள்பவர்
24. □□□□□□ — சிறந்தவர்
25. □□□□□□□ — மதிப்பிட முடியாதவர்
26. □□□□□□□ — (அத்வைதத்தின்) மூல (பாஷ்ய நூல்களை) செய்தவர்
27. □□□ — யஜ்ஞங்களை (தான் காப்பாற்றவேண்டியவையாகக்) கொண்டவர்
28. □□□□□□□□□□□□□□ — தலைவராக பட்டாபிஷேகம் செய்விக்கப்பட்டவர்
29. □□□□□□□ — அனைத்தையும் செய்யவல்லவர்
30. □□□□□□□ — பெரும் தேவன் (அல்லது பூதேவர்களுக்குள் சிறந்தவர்)
31. □□□□□□ — சுகமும் துக்கமும் (அனுபவிக்கும் ஸரீரமெனும் உபாதிக்கு உட்புகுந்தவர்)
32. □□□ — உலக உற்பத்திக்கு காரணமானவர்
33. □□□□□□ — அழுகையைப் போக்குபவர்
34. □□□ — (பாபங்களை) நீக்குபவர்
35. □□□□□□ — கள்ளங்கபடமின்மை என்ற அழகை உடையவர்
36. □□□□□ — (தோஷங்களை) அழிப்பவர்
37. □□□□□ — (உலகு) ஆள்வதை சுபாவமாகக் கொண்டவர்
38. □□□□□□ — திறம்பட (உலகு) ஆள்வவர்
39. □□□□□ — சக்தியுடையவர்களில் சிறந்தவர்

40. □□□□□□□□□□ — (பக்தர்களுக்கு) நலத்தை விளைவிப்பவர்
41. □□□□□□ — (ஆத்மா, மனஸ், இந்த்ரியங்கள்) ப்ரஸன்னமாக இருப்பவர்
42. □□□□□□ — உறுதியாக இருப்பவர்
43. □□□□□□□ — அசைவற்ற (பரம்பொருளாக) இருப்பவர்
44. □□□□□□□□□□ — தேவர்களால் போற்றப்படுபவர்
45. □□□□□□□ — என்றும் இருப்பவர்
46. □□□□□□□□□ — இனிமை மிகுந்த முகமுள்ளவர்
47. □□□□□□□□□□□□□□□□ — ஸித்தர்களாலும் யோகிகளாலும் வணங்கப்பட்டவர்
48. □□□□ — (கருணையாகிய) உமையுடன் இருப்பவர் (அல்லது) சந்த்ரனை (போல் உபதேச அமுதம் பொழிபவர்)
49. □□□□□□□□□□□□□□ — அம்ருதமயமான சுத்தமான உடலைக் கொண்டவர்
50. □□□□□□□□ — (ஞானமாகிய நீங்காத) செல்வம் உடையவர்
51. □□□□□□□□ — (பக்தர்களின்) மிகுந்த அன்பிற்குரியவர்
52. □□□□□□□□ — உலகுக்கு தலைவர்
53. □□□□□□□□□ — (உலகைக் காக்க) விடமுண்ட கண்டன் ஆனவர்
54. □□□□□□□□□□□□□□ — (பக்தர்களிடம்) அன்புகாட்டுவதில் நிலைத்தவர்
55. □□□□□□□ — சிவனை வழிபடுபவர்
56. □□□□□□□□□□ — சங்கர என்ற பெயர் கொண்டவர்
57. □□□□ — (தர்மத்தைக் காப்பதில்) வீரர்
58. □□□□□□□□□ — ஸஞ்சாரத்தால் மங்களத்தைப் பரப்புவவர்
59. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — சுத்த பிரம்மத்தில் ஐக்கியமே தனது (உண்மை) வடிவமாக உடையவர்
60. □□□□□ — முழு (பிரபஞ்ச வடிவினர்)

61. □□□□□□□□□□□□ — அனைத்து மந்திரங்களாலும் போதிக்கப்படுபவர்
62. □□□□□□□□ — (ஐம்) பூதங்களுக்கு உள்ளிருப்பவர்
63. □□□□□□□ — (ஐம்) பூதங்களை உருவாக்கியவர்
64. □□□□□ — எங்கும் நிறைந்தவர்
65. □□□□□□□□□ — (சிவனார் வடிவில் தேவர்களை அந்தந்த வடிவில் பிறக்கும்படி) கட்டளையிட்டவர்
66. □□□□□□□□□□ — தேவர்களின் (நலனுக்காக) முயற்சி செய்பவர்
67. □□□□□□□□□□□□□□□□ — கலிக்கு பயப்படும் தேவர்களால் (தக்ஷிணாமூர்த்தி வடிவில்) வேண்டப்பட்டவர்
68. □□□□□□□□ — முருகனை (குமாரில பட்டராக அவதரிக்கும்படி) உத்தரவிட்டவர்
69. □□□□□□□□ — (அவ்வப்போது மலை) குறைகளை இருப்பிடமாகக் கொண்டவர்
70. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — விஷ்ணு ப்ரஹ்மா (இவர்களை ஸநந்தனர் மற்றும் ஸுரேச்வரராக அவதரிக்கும்படி) உத்தரவிட்டவர்
71. □□□□□□ — (அஸத்துகளிடம் சொல்லத்தகாத) ரகசியமானவர்
72. □□□□□□□ — (ஹ்ருதய) குறையில் உறைபவர்
73. □□□□ — (ப்ரஹ்ம வடிவில் அறியவொண்ணாது எவ்விடமும்) ஒளிந்திருப்பவர்
74. □□□□□□ — அள்ளி வழங்குபவர்
75. □□□□□□□□ — செல்வத்தை உருவாக்குபவர்
76. □□□□ — அறிஞர்
77. □□□□□□□□□□ — மலையில் ஸஞ்சரிப்பவர்
78. □□□□□□□□ — (உலகில் தர்மமெனும்) செல்வத்தை பராமரிப்பவர்
79. □□□□□□ — உலகைக் காப்பவர்
80. □□□□□□ — ஜீவராசிகளுக்கு தலைவர்
81. □□□□□□□□ — ஜீவராசிகளை உருவாக்கியவர்

82. □□□□□ — மங்களமானவர்
83. □□□□□ — மனதிற்கினியவர்
84. □□□□□□□ — பிறவிப்பிணிக்கு வைத்தியர்
85. □□□□□□□□□□ — பக்தர்களால் பூஜை செய்யப்படுபவர்
86. □□□□□□□□□□ — (சிவனார் வடிவில்) பிநாகம் (என்னும் வில்லை) தாங்கியவர்
87. □□□□□□□□□□ — (ஸத்துக்களின்) மண்டலத்திற்கு ஆத்மாவாக இருப்பவர்
88. □□□□□□□□□ — இனியன மொழிபவர்
89. □□□□□□ — புன்னகை பூத்தவர்
90. □□□□□□ — மரியாதைக்குரியவர்
91. □□□□ — தேனனைய (ஸாரமான ஆனந்தம் கொடுக்கும் பரம்பொருளானவர்)
92. □□□□□ — மௌனமாக சிந்திப்பவர்
93. □□□□□□□□□ — பேரொளிபடைத்தவர்
94. □□□□□□□□□ — பெருமைக்குரியன சொல்பவர்
95. □□□□□□□□□ — (பூமியை) அலங்கரிப்பவர்
96. □□□□ — (முந்தைய பிறப்பில் சேகரித்து தீய எண்ணமாகிய) அழுக்கு இல்லாதவர்
97. □□□□ — பாவமில்லாதவர்
98. □□□□ — (எளிமை மற்றும் கபடமின்மையில்) குழந்தை போன்றவர்
99. □□□□□□□□□□□□□□ — பெண்ணாசை அற்றவர்
100. □□□□□□□□ — (வெளிப்படையாகவும் ஸூக்ஷ்மமாகவும்) சான்றோரிடையே இருப்பவர்
101. □□□□□□□□□□□□□ — சான்றோருக்கு அடைக்கலமாக இருப்பவர்
102. □□□□ — சீலம் மிகுந்தவர்
103. □□□□□□□□□□□□□□□□ — சிவகுருவின் ப்ரிய (மகனார்)

104. □□□□□□□□□□□□□□□□ — ஆர்யாம்பாவின் உயர்ந்த குழந்தை
105. □□□□ — மங்களமானவர்
106. □□□□□□□□ — அப்பாலுக்கும் அப்பாலாய் இருப்பவர்
107. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — முப்பத்து முக்கோடி தேவர்களால் நன்கு வணங்கப்படுபவர்
108. □□□□□□□□ — விசாலமான மனம் உடையவர்
109. □□□□□□□□ — ஸத்ய வடிவினர்
110. □□□□□□□□□□ — காலடியில் பிறந்தவர்
111. □□□□□□□□ — இரண்டற்றவர்
112. □□□□□□□□□□□□ — கல்விக்கு தலைவர்
113. □□□□ — ப்ரஹ்மசாரியாக இருப்பவர்
114. □□□□□□ — (த்யானத்தால்) அறிய வேண்டியவர்
115. □□□□□□□□ — சைதன்ய வடிவினர்
116. □□□□□□□□□□□□□□□□ — சூர்ணிகா (பூர்ணா என்னும் நதியில் பால்யத்தில்) களித்தவர்
117. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — மதிப்பிற்குரிய அன்னையால் இல்லறம் (ஏற்கும்படி) வேண்டப்பட்டவர்
118. □□□□□□□□□□ — (இல்லறத்தை விட) உயர்ந்ததை மனதில் அசையாது கொண்டவர்
119. □□□□□□□□□□□□ — ஆசார்யனை சரணடைந்தவர்
120. □□□□□□□□□□ — (குரு முதன்முறை பார்த்தபோதே ஞானப்) பொலிவுடைய முகமுள்ளவராக (திகழ்ந்தவர்)
121. □□□□□□□□ — (அப்பொழுதே ஞான) லக்ஷ்மியைத் தாங்குபவராக (விளங்கியவர்)
122. □□□□□□□□ — (உலகோருக்கு வழிகாட்டுவதற்கான) தேஜஸ்ஸைக் கொண்டவராக (குருவால் காணப்பட்டவர்)
123. □□□□□□ — (சாஸ்த்ரத்தின்) உத்தரவை போதிப்பவர்

- 47

144. □□□□□□□□ — காவியை உடுத்தியவர்
145. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — பக்தர்களாகிய உலகத்தோர்
(தமக்கு) மாணவர்களாகக் கொண்டவர்
146. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — கோவிந்த பகவத்பாதருக்கு
பிரியமானவர்
147. □□□□□□□□□□□□□□ — (அவரது பூர்வாச்ரம புத்ரராகிய பர்த்ரு)ஹரியின்
சக மாணவர்
148. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — கௌட(பாதரின்) பாதங்களைத்
தொட்டு (வணங்கியவர்)
149. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ —
மாதங்க மஹாராணியின் வேண்டுகோளின்படி (அந்த ராஜ்ஜியத்தில்)
நல்தர்மத்தை ஸ்தாபித்தவர்
150. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ —
— யதிகளுக்கு தீர்த்த முதல் புரீ வரை (தசநாமி) ஸம்ப்ரதாயத்தை
ஏற்படுத்தியவர்
151. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — (முதியவர் வேடத்தில் வந்த) வியாசருடன்
வாதம் புரிந்தவர்
152. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — பல சிஷ்யர்களால் புடைசூழ்ந்தவர்
153. □□□□□□□□□□□□□□ — பத்மபாதரை (சிஷ்யனாக ஏற்று) பாதுகாத்தவர்
154. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — யோகத்தினால் ஹரனின் மலைக்கு
(கைலாயத்திற்கு) சென்றவர்
155. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — (சிவனார் அளித்த) ஐந்து லிங்கங்களை
எடுத்து வந்தவர்
156. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — (ஸௌந்தர்ய லஹரியின் முன் பகுதியாகிய)
ஆநந்தலஹரியை பெற்றவர்
157. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — கேதாரில் முக்தி லிங்கத்தை ப்ரதிஷ்டை
செய்தவர்
158. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — நேபாளத்தில் வர லிங்கத்தை வைத்தவர்

159. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — காச்மீரம் முதலான இடங்களில் வசித்தவர்
160. □□□□□□□□□□□□□□□□ — கெட்ட வாதங்களுடைய மதங்களை கண்டித்தவர்
161. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — ஹஸ்திகிரி (விஷ்ணு காஞ்சி) முதலான க்ஷேத்திரங்களுக்கு சென்றவர்
162. □□□□□ — நல்லறிவு உள்ளவர்
163. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — (குமாரில) பட்டர் கூறிய (ஈசன் தேவையில்லை, கருமமே பலனளிக்கும் என்ற) ஸித்தாந்தத்தைக் கட்டுப்படுத்தியவர்
164. □□□□□□□□□□□□□□□□ — மண்டன மிசர் (மற்றும் அவரது பத்னியான) பாரதியை வெற்றி கொண்டவர்
165. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — பரகாய ப்ரவேசம் செய்து காம சாஸ்த்ர நுணுக்கங்களை அறிந்தவர்
166. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — (பரகாய ப்ரவேசத்தின் போது) குஹையில் (ஒளிக்கப்பட்டிருந்த தமது இயல்பு உடலை சிலர் எரிக்க முயன்ற போது) நரசிம்மரை வேண்டி எரிந்த தன் கரத்தாமரைகளை மீட்டுப்பெற்றவர்
167. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — கலைவாணியை வெற்றிகொண்டு ஸுரேஸ்வரரை துறவி ஆக்கியவர்
168. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — ஹஸ்தமலகரால் ஸேவிக்கப்பட்ட திருவடிகளைக் கொண்டவர்
169. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — தோடகாசார்யரால் நன்கு வணங்கப்பட்டவர்
170. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — சித்ஸுகர் உதங்கர் (போன்ற) நல்மாணவர்களால் வணக்கப்பட்ட திருவடியினர்
171. □□□□□□□□□□□□ — குணக்கடலானவர்

172. □□□□□□□□□□□□□□□□ — விருப்பப்படி (தனது மூல) சிவ வடிவம் எடுக்கக்கூடியவர்
173. □□□□□□□□□□ — கௌரியை ஈர்த்தவர்
174. □□□□□□□□□□ — உத்தமமான குரு
175. □□□□□□□□□□ — குருமார்களுக்கரசர்
176. □□□□ — நல்ல குணம் உடையவர்
177. □□□□□□ — (பக்தர்களைக்) காப்பவர்
178. □□□□□ — (ரகசியங்களை) ஒளிப்பவர்
179. □□□□□□□□ — மனித வடிவம் கொண்ட (தெய்வம்)
180. □□□□□□□□ — மமதையற்றவர்
181. □□□□□□□□□□ — நரகத்திற்கு எதிரி
182. □□□□□ — வணங்கத்தக்கவர்
183. □□□□ — தலைவர்
184. □□□□□□□□□□ — அப்பழுக்கற்றவர்
185. □□□□□□□□□□□□ — ஆசைகளை கட்டுப்படுத்தியவர்
186. □□□□□□□□ — பகுக்க முடியாத (பிரமமே சொருபமானவர்)
187. □□□□□□ — என்றும் இருப்பவர்
188. □□□□□□□□□□□□□□□□ — பெயர் உருவம் (இரண்டும் ப்ரஹ்மத்தைக் காட்டிலும் வேறு என்ற) விவேகம் உள்ளவர்.
189. □□□□□□ — பொய்யற்றவர்
190. □□□□□□□□□□□□ — செயல்களுக்கப்பாற்பட்டவர்
191. □□□□□□ — வலியற்றவர்
192. □□□□□□□□ — ஆசைகள் இல்லாதவர்
193. □□□□□□□□ — வியாதி இல்லாதவர்
194. □□□□□□□□□□ — (யாருக்கும் தலை) வணங்கத் (தேவை) இல்லாதவர்

195. □□□□□□□□□□ — ஸ்வதா (என்று சொல்லி செய்யும் பித்ரு காரியம்) இல்லாதவர் (ஸந்ந்யாஸி)
196. □□□□□□□□□□ — ஸ்வாஹா (என்று சொல்லி செய்யும் தேவ காரியம்) இல்லாதவர் (ஸந்ந்யாஸி)
197. □□□□□□□□ — (தனக்கு மேற்பட்ட) ஈசனில்லாதவர்
198. □□□□□□ — உருவற்ற (பரம்பொருளானவர்)
199. □□□□□□□ — குணமற்ற (பரம்பொருளானவர்)
200. □□□□□□□□ — புண்ணிய பாபமற்ற (பரம்பொருளானவர்)
201. □□□□□□□□ — துக்கமற்றவர்
202. □□□ — வசீகரிப்பவர்
203. □□□□□□□□ — பற்றில்லாதவர்
204. □□□□□□□□□□ — என்றும் வலுவானவர்
205. □□□□□□ — உற்சாகமுள்ளவர்
206. □□□□□□□□□□□□ — திருப்தியான ஜனங்களால் ஆம்ரயிக்கப்படுபவர்
207. □□□□□□□□□□□□ — (ப்ரம்ம ஞான நிலையை) நேரடியாக அனுபவித்தவர்
208. □□□□□□□□□□ — (ப்ரம்ம ஞான நிலைக்கு) அருகில் சேர்ப்பிப்பவர்
209. □□□□□ — தத்துவமறிந்தவர்
210. □□□□□□□□□□ — (அன்றன்று) மாலை (எங்குள்ளாரோ அங்கேயே இரவு தங்கும்) வீடாக கொண்டவர்
211. □□□ — புலன்களை கட்டுப்படுத்தியவர்
212. □□□ — உண்மை வடிவினர்
213. □□□□□□□□ — உண்மை(பொருளான பகவானை) உபாஸிப்பவர்
214. □□□□□□□□□□ — சத்வ குணம் நிரம்பியவர்
215. □□□□□ — கலாசாரம் நிரம்பியவர்
216. □□□□□□□□□□ — அனைவருக்கும் நண்பர்
217. □□□□□□□□□□ — காமனை அழித்தவர்

218. □□□□□□□ — சிஷ்யர்களுடன் கூடியவர்
219. □□□□□□□□ — (வேத தாத்தபரியத்தை) ஸங்க்ரஹம் செய்தவர்
220. □□□□□□□□ — மூத்தவர்
221. □□□ — சக்திமிக்கவர்
222. □□□□□□ — வாக்கு வன்மை மிக்கவர்
223. □□□□□□□□□□□□□ — அளவோடு பேசுபவர்
224. □□□□□□□ — பேச்சை அடக்கியவர்
225. □□□□□□□ — மிக உயர்ந்தவர்
226. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — உரைகளை சரித்திரங்கள்
(போல் அழகுற உருவாக்குவதில்) திறமிக்கவர்
227. □□□□ — எல்லாவற்றிலும் உயர்ந்தவர்
228. □□□□□□ — சுற்றிலும் இருக்கும் (பரம்பொருளானவர்)
229. □□□□□□ — பக்குவமானவர்
230. □□□□□□□□ — அறிவாளி
231. □□□□□□ — மகிழ்வுடன் இருப்பவர்
232. □□□□□□□□□□ — பிரியமாக பேசுபவர்
233. □□□□□□□□□□ — (தோஷங்களை) அறவே ஒழிப்பவர்
234. □□□□□□□□ — தஹர யோகம் அறிந்தவர்
235. □□□□□□□ — வணங்கிய இயல்பினர்
236. □□□□□□□□□□□□□□ — கேள்விகளுக்கு (பதில்களை) நிரூபித்தவர்
237. □□□□□□□□ — எல்லையை அடைந்தவர்
238. □□□□□□□□□□ — பாசத்திலிருந்து விடுபட்டவர்
239. □□□□□□ — பரத்தை அறிந்தவர்
240. □□□□□□□□□□□□□□ — உள்நோக்கிய பார்வையுடையவர்
241. □□□□□□□□□□□□□□ — (ப்ரபஞ்சமாம் தோற்றத்திற்கு) ஆதாரத்தை
அறிந்தவர்

242. □□□□□□ — (அருள்மழைபொழிய) காரணமில்லாதவர்
243. □□□□□□ — ஒரே இறை எனும் வாதத்தை கொண்டவர்
244. □□□□□□□□ — இரட்டையை ஒப்பாதவர்
245. □□□□□□ — தன்னில் நிலைத்தவர்
246. □□□□□□ — (மோக்ஷ நிலையில் தன்னை ஆள பிறர் இல்லாது) தன்னைத் தானே ஆள்பவர்
247. □□□□□□ — வியாபித்து ஆள்பவர்
248. □□□□ — மௌனமாய் இருப்பவர்
249. □□□□□□□□□□ — தானே ஒளிர்பவர்
250. □□□□□□□□□□□□ — (மற்றொருவரை எதிர்பாராமல்) தாமே திறமிக்கவர்
251. □□□□ — மேன்மை பொருந்தியவர்
252. □□□□□ — உருவமில்லாதவர்
253. □□□□□□□□ — (எளிதில்) விளங்காதவர்
254. □□□ □□□□□□□ — மிகவும் உயர்ந்த ஜோதியானவர்
255. □□□ □□□□ — மிகவும் உயர்ந்த பதவியானவர்
256. □□□ □□□ — மிகவும் உயர்ந்த உறைவிடமானவர்
257. □□□ □□□□□□ — மிகவும் உயர்ந்த எல்லையானவர்
258. □□□ □□□□□□ — மிகவும் உயர்ந்த சக்தியானவர்
259. □□□ □□□□ — மிகவும் உயர்ந்த கதியானவர்
260. □□□□ □□□ — மிகவும் உயர்ந்த சேருமிடமானவர்
261. □□□ □□□□□ — மிகவும் உயர்ந்த பொருளானவர்
262. □□□ □□□□□□ — மிகவும் உயர்ந்த பிரம்மமானவர்
263. □□□ □□□□ — மிகவும் உயர்ந்து முன்னின்றவர்
264. □□□□□□ — மிகவும் உயர்ந்ததை அடைவிப்பவர்
265. □□□ □□□□ — மிகவும் உயர்ந்த த்யானவிஷயமானவர்
266. □□□□□□□□□□□□□ — மிகுந்த சாந்தமே சொருபமானவர்

267. □□□□□□□□ — திருப்தி செய்பவர்
268. □□□□□□□□□□□□□□□□ — ஞானம் தவிர வேறற்ற மூர்த்தியானவர்
269. □□□□□□□□□ — வழிநடத்திச் செல்பவர்
270. □□□□□□□□□□□□□□ — உள்ளிருக்கும் பொருளை அறிந்தவர்
271. □□□□□□□□ — நுண்ணிய அறிவுடையவர்
272. □□□□□□□□□ — உலகை உருவாக்கியவர்
273. □□□□□ — உலகின் (ஒவ்வொரு அம்சங்களையும்) அமைத்தவர்
274. □□□□□□□□□□□□□□□□ — வேதத்தினால் மட்டும் அறியத்தக்கதும்
தன்னிடம் மட்டும் உள்ளதுமான (தனிப்) பெருமையை உடையவர்
275. □□□□□□□□□ — சத்தியத்தை விரதமாக கொண்டவர்
276. □□□□□□□ — சத்தியத்துக்கு அர்ப்பணமானவர்
277. □□□□□□□□□ — மூன்று காலத்துக்கும் சத்தியமானவர்
278. □□□□□□□□□ — சத்தியத்திற்கு நாயகன்
279. □□□□□□□□□□□□□□ — சத்தியத்தின் அடிப்படையில் (செயல்படுபவர்)
280. □□□□□□□□ — சத்தியமான வாழ்த்துகள் வழங்குபவர்
281. □□□□□□□□□□□□□□□□ — சத்திய ப்ரயோஜனமுடைய காரியங்களை
ஊக்குவிப்பவர்
282. □□□ — (அனைத்தையும்) ஸமமாக பார்ப்பவர்
283. □□□□□□□□ — (அனைத்தையும்) கவனித்துக்கொண்டிருப்பவர்
284. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — சத்சித் ஆனந்த வடிவானவர்
285. □□□□□□□□□ — ஸத் அஸத் (இரண்டையும் பிரிப்பதில்) முனைந்தவர்
286. □□□□□□□□□ — சத்தியமே வடிவானவர்
287. □□□□□□□□□□□ — சத்தியத்தில் நன்கு நிலைத்தவர்
288. □□□□□ — (சிவனார் வடிவில்) மலைக்கு ஈசன்
289. □□□□□□□□□□□□ — மாணவர்களால் கொண்டாடப்படுபவர்
290. □□□□□□□□□□□□ — நாரதர் முதலியவரால் மிகவும் போற்றப்பட்டவர்

291. □□□□□ — (பகவானை) வணங்கும் சுபாவமுடையவர்
292. □□□□□□□□□□□□□□□□ — பெண்களோ ஆண்களோ (கண்டிராத) அபூர்வ வடிவினர்
293. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — வியாசர் ஜைமினி ஆகியோருடன் வாதம் புரிந்தவர்
294. □□□□□□□□□□ — சாரதையை வென்றவர்
295. □□□ — அடக்கம் கொண்டவர்
296. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — ஸுரேஸ்வராசார்யருக்கு தனக்கு (நிகரான ஸந்ந்யாஸ) ஆஸ்ரமத்தை கொடுத்தவர்
297. □□□□□□□□□□ — சிந்தனையாளர்களில் சிம்மம்
298. □□□ — (சூட்டினால்) முத்திரைகள் தரித்துக்கொள்வது போன்ற சாஸ்த்ரம் தடுத்த செயல்கள் அறவே அற்ற வைதிகமாக பாதையை அமைத்தவர்
299. □□□ — உமித்தீக்கூட்டத்தின் இடையே இருந்த குமாரில (பட்டரால்) வணங்கப்பட்டவர்
300. □□□ — கடினமான மலைகள் போன்ற துஷ்ட வாதங்களை (அழிக்கும்) வஜ்ராயுதமானவர்
301. □□□□□□□□□□ — கவி இயற்றுவதில் சிம்மம்
302. □□□ — மதம் பிடித்த யானைகள் போன்ற தூர்வாதிகளை (வீழ்த்தும்) சிங்கம் போன்றவர்
303. □□□□□□□□□□ — கலியை நாசம் செய்பவர்
304. □□□□□□□□□□ — யோகத்தால் நோயை நீக்கியவர்
305. □□□ — ஞான (பாதையை) திரிபற அறிந்தவர்
306. □□□ — அளவற்ற பொலிவுடையவர்
307. □□□ — ஜைனர்களின் இடைஞ்சல்கள் மற்றும் ஸ்தம்பன உச்சாடனங்களுக்கான மந்த்ரங்களை முறியடித்தவர்

308. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — வைசேஷிகர்களின் முக்கியமான கூற்றுகள் வறண்டுபோகும்படி செய்வதில் நிபுணர்
309. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — தலையாய த்வைதிகளாகிய சைவர்கள் மற்றும் பாகவத மதத்தவர்களின் ஸாஸ்த்ரத்தை நிராகரித்தவர்
310. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — காஞ்சீபுர நகரத்தை (ஆசார்யாளின் ஆஜ்ஞைப்படி மீண்டும்) நிர்மாணம் செய்துகொடுத்த ராஜஸேனன் என்ற அரசனால் பூஜிக்கப்பட்டவர்
311. □□□□□□□□□□□□□□ — (ராஜஸேனன் மூலம்) வரதர் ஆலயத்தை (புனர்)நிர்மாணித்தவர்
312. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — ஏகாம்ரநாதரின் இருப்பிடத்தை (ஜீர்ண) உத்தாரணம் செய்(வித்)தவர்
313. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — (காமாக்ஷி மூலஸ்தானமாகிய பிலாகாச) குஹையில் இருந்த ஜீவகலையின் உக்ரத்தை நீக்கியவர்
314. □□□□□□□□□□ — (சிவனார் வடிவில்) காலனையே கண்டித்தவர்
315. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — காமகோஷ்டம் (என்ற புண்ய) பூமியை தன் விளையாட்டு இடமாக கொண்டவர்
316. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — (காமாக்ஷியாம்) காமகோடியின் பாதங்களை ஆஸ்ரயித்தவர்
317. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — காமாக்ஷிக்கு (பலவித) சேவைகளை செய்தவர்
318. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — காலஹஸ்தீஸ்வரரை பூஜித்தவர்
319. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — ஸேஷாசலத்தின் உச்சியை எளிதில் அடைய அனுகூலமான படிக்கட்டை அமைக்கச்செய்தவர்
320. □□□□□□ — தெய்வீகமானவர்
321. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ □□□ — தெய்வீக பிரம்ம வர்சஸ் உடையவர்

- 57

- 58

357. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ —
— கர்ணாடகம், ஆந்த்ரம், பாண்டியம், சேரம் மற்றும் சோழ நாடுகள்
அனைத்திலும் ஸஞ்சரித்தவர்
358. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ —
வில்வவனம் (வைகாஹர்), நீபவனம் (ஆலவாய்), தில்லைவனம் (சிதம்பரம்),
ஆலங்குடி, சாயாவனம் (சாய்க்காடு), வெண்காடு (ஆகியவற்றை) நாடியவர்
359. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ —
மதிக்கப்பெறும் ஸ்ரீரங்கம், மதுரை, மருதூர், வில்லிபுத்தூரை நாடியவர்
360. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ —
— அகிலாண்டேஸ்வரிக்கு ரத்ன தாடங்கமாக யந்திர ராஜமாகிய
(ஸ்ரீசக்ரத்தை) அணிவித்தவர்
361. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — காஞ்சீ
(க்ஷேத்ர பிலாகாசமாகிய) குறையை மூடும்படி (ஸ்ரீ)சக்ர ராஜத்தை மூடியாக
வைத்தவர்
362. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — பூமி,
ஜலம், தேஜஸ், காற்று, ஆகாசம் (ஆகிய பஞ்ச பூத க்ஷேத்ரங்களான காஞ்சீ,
திருவானைக்கா, திருவண்ணாமலை, காளஹஸ்தி, சிதம்பரம் இங்குள்ள)
லிங்கங்களை ஸேவிப்பதில் ஆதரவு கொண்டவர்
363. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — ஸத்யவ்ரதம் (எனப்படும் காஞ்சீ)
க்ஷேத்ரத்தில் வஸித்தவர்
364. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — காமகோடி மடத்தை நிலைப்பிடமாக
கொண்டவர்
365. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — சிதம்பர ஸபையில்
மோக்ஷ லிங்கத்தை வைத்தவர்
366. □□□□□□□□ — (ப்ரஹ்ம ஸ்வரூபமாக) தனிப்பட்ட அடையாளம்
இல்லாதவர்
367. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — ருஷ்யசிருங்கர்
ஆச்ரமத்தில் போக லிங்கத்தை வைத்தவர்

368. □□□□□□□ — (உலகெங்கும் பரவியிருக்கும் ஸத்யத்தை அறிவதற்கான) ருதம்பரா (ப்ரஜைஞ எனப்படும் ஞானத்தை) கொண்டவர்
369. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — சாரதையால் மதிக்கப்பட்ட (நீ பூமியில் ஆங்காங்கு இருந்து மக்களுக்கு அருள வேண்டும் என்ற) வேண்டுகோளை விடுத்தவர்
370. □□□□□□□□ — எல்லாம் அறிந்தவர்
371. □□□□□□□□□□□□ — எல்லா பாபங்களையும் நீக்குபவர்
372. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — சாரதையின் நிற்பிடத்தில் சாரதா பீடத்தை நிறுவி பவித்ரமாக்கியவர்
373. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — சாரதையை ஸ்தாபித்ததால் ருச்யச்ருங்ககிரியை சிறப்படையச்செய்தவர்
374. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — அசுரீரியின் சொல்படி காஞ்சி மடத்தை நிறுவி வளர்த்தவர்
375. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — காமகோடி மஹா பீடத்தில் காணப்பட்ட பெரிய மணியைப் போன்றவர்
376. □□□□□□□ — (சிவனார் வடிவத்தில்) யமனை அடக்கியவர்
377. □□□□□□□ — விரும்பிய (பலன்களை) அளிப்பவர்
378. □□□□□□ — அன்பிற்குரியவர்
379. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — சாரதையையே ஜயிக்கும் வாக்கை வாயில் கொண்டவர்
380. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — காமகோடி பூமியை தனது கொட்டில் போல் (இருப்பிடமாக) கொண்டவர்
381. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — யதிகளின் குழாமுக்கு தலையாயவர்
382. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — சிஷ்யர்கள் கூட்டத்திற்கு பர (வஸ்துவின்) ஞானமாகிய கொடி (வளருவதற்கான) ஊட்டச்சத்தை அளிப்பவர்

383. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — மடங்களின் ஆம்நாய (ஸம்ப்ரதாயங்களைத் தெரிவிக்கும்) பெரியதான ஆம்நாய ஸேது என்ற கேரள (தேசத்தில் ப்ரஸித்தமான?) நூலை யாத்தவர்
384. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — தீர்த்த முதல் புரீ வரையிலான சிஷ்ய ஸம்ப்ரதாயங்களைப் பாசுபடுத்தியவர்
385. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — (அதில்) ஸரஸ்வதீ என்பதற்கு முன்பு ஆநந்த இந்த்ர (என்ற இரு) பதங்களும் (தனித்தனியே பயன்படுத்தப்படுவதற்கான) முறையையும் (வகுத்தவர்)
386. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — ஆநந்தமய (அதிகரண தெளிவாக்கத்தால் லௌகிக) ஆநந்தமே ப்ரஹ்மம் (என்று சொல்பவர்களை) ஜயித்து புகழ்பெற்ற சொல்லாண்மையை உடையவர்
387. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — யோகேஸ்வரரை ஆரதிப்பதில் முனைந்தவர்
388. □□□□□□ — யோக்யதை உடையவர்
389. □□□□□□□□ □□□ — யோகம் அறிந்தவர்களில் சிறந்தவர்
390. □□□□□□□□ — செளக்கியமாக இருப்பவர்
391. □□□□□□□□ — அசைக்க முடியாதவர்
392. □□□□□□□□ — மென்மையானவர்
393. □□□□□□□□ — அழியாதவர்
394. □□□□□□ — உறுதித்தன்மையே (வடிவமானவர்)
395. □□□□□□□□□□□□ — (தன் சுய) நிலையில் (உறுதியாக நிற்கும் தன்மையை) அருள்பவர்
396. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — (அவதார இறுதியில்) ஸத்யவ்ரதம் (எனப்படும் காஞ்சீ) கேஷத்ரத்தில் ப்ரஹ்மத்தில் ஒன்றியவர்
397. □□□□□□□□□□ — உடலற்றவர் (உடலில் அபிமானம் அற்றவர்)
398. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — தாண்டுவதற்கரியதான எல்லையற்ற(தாகத் தோன்றும்) ஸம்ஸாரத்தின் எல்லைக்கு சேர்ப்பிக்கும் படகானவர்

- 62

- 63

- 64

- 65

481. □□□□□□□□□□□□□□ — நாஸ்திகர்களுக்கு முடிவுகட்டியவர்
482. □□□□□□ — மிக்க புத்திமான்
483. □□□□□□□□□□□□ — (யோக) ஆஸன மார்க்கத்தை அறிந்தவர்
484. □□□□□□□□□□□□□□□□ — ஜைனர்களின் அத்துமீறல்களை பொசுக்கியவர்
485. □□□□□□□□□□□□□□ — பெருந்தன்மைக்கு இருப்பிடமானவர்
486. □□□□□□ — பாதிக்கப்படாதவர்
487. □□□□□ — சாமர்த்தியமானவர்
488. □□□□□□□□□□□□□□□□ — தென் திசையிலிருந்து (வந்த) ஸித்தர்
489. □□□□□□□□□□□□ — முக்காலமும் அறிந்தவர்
490. □□□□□□□ — இறை நம்பிக்கையாளர்
491. □□□□□□□ — கட்டளை பிறப்பிப்பவர்
492. □□□□□□□ — சாதாரண மனிதனினும் அதிக சக்தி உடையவர்
493. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — காபாலிக மத வழிமுறைகளை த்வம்ஸம் செய்தவர்
494. □□□□□□□□□□□□ — (லௌகிக) ஆசைகளில் ஈடுபட்ட பெண்களிடம் பாராழுகமானவர்
495. □□□□□□ — நண்பனாக கருதத்தக்கவர்
496. □□□□□□□□□□ — கர்மானுஷ்டானங்களின் பலனை எதிர்பாராதவர்
497. □□□□□□□ — கர்மானுஷ்டானங்களுக்கு ஹிதமானவர்
498. □□□□ — செய்யவேண்டியவற்றை செய்துவிட்டவர்
499. □□□□□□□□□□□□□□ — கல்யாண குணங்களை உடையவர்
500. □□□□□□□□□□□□□□ — செயல்களிலிருந்து விடுபட்டவர்
501. □□□□□□□ — கிருபையால் நிறைந்தவர்
502. □□□□□□□□□□□ — புகழுடையவர்

503. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — யோக லிங்க பூஜையை
செய்தமையால் உலக மக்களைக் காத்தவர்
504. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ —
தம்மில்லபுரம் என்ற ராஜ்யத்தில் பாலா (த்ரிபுரஸுந்தரியை) அர்ச்சிக்கும்
அரசனால் பூஜிக்கப்பட்டவர் (?)
505. □□□□□□□□□□□□□□ — வேதாந்தத்தில் சூரியன் போன்றவர்
506. □□□□□□□□□□□□ — ஞானத்தில் சந்திரன் போன்றவர்
507. □□□□□□□□□□□□□□ — சகல ஐஸ்வர்யங்களையும் பொழிபவர்
508. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — நேபாள தேச
அரசனான வருஷ தேவனுக்கு உபதேசித்தவர்
509. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — கைலாஸ
பர்வதத்தில் சிவனை பூஜிக்கும் வழிமுறை வகுத்தவர்
510. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — புத்தமதக்கூட்டத்தை நீக்குவதில்
திறம்பெற்றவர்
511. □□□□□□□□□□□□ — வைராக்யத்தை போதிப்பவர்
512. □□□□□□□□ — அறிவாளிகளுக்குள் மணி போன்றவர்
513. □□□□□□□□□□ — தெய்வீக (ஞான) த்ருஷ்டி உடையவர்
514. □□□□□□□□□□□□ — (பூமியில் அதர்மம் பெருகியதால் ஏற்பட்ட)
தேவர்களின் வருத்தத்தை அகற்றியவர்
515. □□□□□□ — குழப்பம் இல்லாதவர்
516. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ —
ப்ரஸன்னமடைந்த லக்ஷ்மியால் ஏழை அந்தணப்பெண்ணுக்கு செல்வம்
கொடுப்பித்தவர்
517. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ —
— முழுதும் மலர்ந்த பூவனைய மெல்லிய அரும்பு போன்ற புன்முறுவலை
உடையவர்
518. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ —
சிந்முத்ரையாலேயே தலைசிறந்த சீடர்களின் சந்தேகங்களை விரட்டியவர்

519. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — (நரஸிம்ஹரின் மனமுவக்கும் வாக்கின்படி) சிங்கத்தில் பயங்கர குரலாகிய அட்டஹாஸத்தால் பஸ்மமாகிய காபாலிகனுக்கு (உடலைக்கொடுக்க முன்வந்தவர்)
520. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — தன்னை அண்டிய ஸுதன்வா (என்ற அரசனால்) தமது பாதுகைகளுக்கு நித்ய பூஜை செய்யப்பெற்றவர்
521. □□□□□□ — நமஸ்காரங்களையெல்லாம் பெறத்தகுந்தவர்
522. □□□□□□ — (பகவானின்) நாமங்களை முக்கியமாகக் கொண்டவர்
523. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — தேவ லோகம் முழுவதும் மகிழற வைத்தவர்
524. □□□□□□ — ஒரு தண்டம் உடைய (ஸந்ந்யாஸ ஸம்ப்ரதாயத்தைச்) சேர்ந்தவர்
525. □□□□□ — கஷாயம் தரித்தவர்
526. □□□□□□ — (தலையை) முண்டனம் செய்து கொண்டவர்
527. □□□□□□□□□□□□ — பௌத்தத்தை கண்டித்தவர்
528. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — சித்தர்கள் என்று (தம்மைத்தாமே சொல்லிக்கொள்ளும்) திகம்பரர்களின் சித்தாந்தங்களை நசுக்கியவர்
529. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — மல்லிகைகளைப் போன்ற வெண்ணிற பற்களை உடையவர்
530. □□□□□□□□□□□□□□ — பெண்களின் நினைப்பிலிருந்து மிகவும் விலகியவர்
531. □□□□□□□□□□□□□□ — காமத்தின் எதிரி வடிவானவர்
532. □□□□□□ — ஆநந்தமும் உத்ஸாஹமும் கொண்டவர்
533. □□□□□□□□□□□□□□ — விரும்பத்தக்க குணங்கள் இருக்கும் சுரங்கம் போன்றவர்

534. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ —
 (சந்த்ரனிலிருந்து உருவான) நர்மதா நதிக்கரையில் ப்ரஸந்நமான
 கோவிந்த (பகவத்பாதருக்கு) ஸேவை செய்தவர்
535. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ —
 மாலிகாப்ரியன் என்ற சாளுக்ய அரசனால் (கனகாபிஷேகாதிகளால்?)
 உடல் முழுதும் பூஜிக்கப்பட்டவர்
536. □□□□□□□□□□□□□□□□ — (நான்கு) ஆச்ரமங்களை தாண்டிய
 நிலையை அடைந்தவர்களில் தலைசிறந்தவர்
537. □□□□□ — (ஞானமாகிய நீங்காத) செல்வமாக (தாமே ஆனவர்)
538. □□□□□□□□□□□□□□□□ — அண்டியவர்களுக்கு கற்பக வருக்ஷமானவர்
539. □□□□□□ — களைப்பற்றவர்
540. □□□□□□□□□□□□□□□□ — காற்றினால் தூண்டப்பட்ட (அலைகள்
 கொண்ட நதிகளில்) ஸ்நானம் செய்தவர்
541. □□□□□□□□□□□□□□□□ — (காலடியில்) கும்பமுனியை தரிசித்தவர்
542. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ —
 தாமாகவே குனிந்து மரங்களின் நுனிக்கிளைகள் அர்ப்பணித்த பழங்களை
 உண்டவர்
543. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ —
 பொழியும் மேகங்கள் கொட்டும் நீர்ப்பெருக்குடன் (கூடிய) பாதைகளில்
 (பாதிப்பின்றி) செல்பவர்
544. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ —
 கொழுந்துவிட்டெரியும் காட்டுத்தீ (விலகி) அளித்த பாதையால் காட்டை
 அடைந்தவர்
545. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — ஹிம்ஸிக்கக்கூடிய
 மிருகங்கள் (தாமே) விலகியளித்த செல்லவேண்டிய பாதைகளில்
 ஸஞ்சரித்தவர்
546. □□□□□□□□□□□□ — காற்றினால் எப்போதும் அனுகூலம் செய்யப்பட்டவர்
547. □□□□□□□ — (நீங்காத) செல்வம் உடையவர்களில் சிறந்தவர்

548. □□□□□□ — மௌனமாக இருப்பவர்
549. □□□ — சிறந்தவர்
550. □□□□□□□□□□□□□□□□ — (செல்லும் பாதையில் அந்தந்த ஊர்மக்களின் வினையால் ஏற்பட்ட) அஸுப அடையாளங்கள் தாமே அடங்கப்பெற்றவர்
551. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — தூசிகளற்ற (சுத்தமான) பாதைகளில் சென்றவர்
552. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — பனி (அல்லது நதி/மழை நீர்) தெறித்துபட்டதனால் மிருதுவான (சத்து) மாவை (மட்டும்) சாப்பிடுவதை வழக்கமாகக் கொண்டவர்
553. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — மகரந்தத் (தேன்) வழிவது போல் மதிக்கத்தக்க இனிமையான சொற்கள் கொண்டவர்
554. □□□□□□ — பெரும் புலவர்
555. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — அலைபுரளும் (நர்மதா) நீர்ப்பிரவாஹத்தை கமண்டலுவுக்குள்ளே அடக்கியவர்
556. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — (நீரில் இறங்கியும்) அழியாத திருநீறும் நனைந்த வஸ்திரத்தின் நுனிப்பகுதியில் மீன்களும் கூடியவர்
557. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — எல்லைக் கரையில் ஸமுத்ரத்தை விரட்டியவர் (கதை தேட வேண்டும்)
558. □□□□□□□□□□□□□□□□ — இறந்தவர்களை உயிர்ப்பிக்கவல்ல பார்வையை உடையவர் (கோகர்ணத்தில் அவ்வாறு ஆசார்யாள் செய்ததாக சரித்ரம்)
559. □□□□□□□□□□□□□□□□ — பெரும் வியாதிகளை குணமாக்குபவர்
560. □□□□□□ — செருக்கை அழிப்பவர்
561. □□□□□□□□□□□□ — மிருகங்களை தன்வசம் கொண்டவர்
562. □□□□□□□□□□□□□□□□ — ஜடம் கூன் உடையவர் முதலியோரிடமும் (கருணையுடன்) ஸம்பாஷித்தவர் (ஹஸ்தாமலகர் ஜடம் போல் காட்சியளித்தவர்)

563. □□□□□□□□□□□□□□□□ — கொடிகளிலிருந்து (தானாக உதிர்ந்த) பூக்களால் அர்ச்சனை செய்தவர்
564. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — (காட்டுப்பகுதிகளில் ஸஞ்சரிக்கையில்) ஓநாய்க்கூட்டங்கள் முன்செல்லப்பெற்றவர்
565. □□□□□□□□□□□□□□□□ — (இரவில்) உறங்கவில்லையா என்று ஆந்தைகளால் கேட்கப்பெற்றவர்
566. □□□□□□□□□□□□□□□□ — (காலையில்) காக்கைகளால் ஸுப்ரபாதம் பாடப்பெற்றவர்
567. □□□□□□□□□□□□□□□□ — (பாறைகள் முதலியவற்றிலிருந்து விலகி) சௌகரியமாக அமர ஸர்ப்பங்களால் ஆஸனம் அளிக்கப்பட்டவர்
568. □□□□□□□□□□□□□□□□ — (மழைக்காலத்தில்) இனிய பாடகர்களின் கோஷ்டியை உருவாக்கும் தவளைகளால் (உபசரிக்கப்பட்டவர்)
569. □□□□□□□□□□□□□□□□ — தேனீக்களால் (தேனாகிய மதுபர்க்கம் அளித்து) அதிதி உபசாரம் செய்யப்பட்டவர்
570. □□□□□□□□□□□□□□□□ — புலிகளால் வரவேற்பு சொல்லப்பெற்றவர்
571. □□□□□□□□□□□□□□□□ — (பாறை முதலியவற்றிலிருந்து எழுந்துகொள்ளும்போது அப்பால் சென்று விழுவதால்) தேள்களால் சரியாக உதறிக்கொண்டீரா என்று நிம்சயம் செய்விக்கப்பட்டவர்
572. □□□□□□□□□□□□□□□□ — நீர்வீழ்ச்சிகளில் நன்கு நீராடியவர்
573. □□□□□□□□□□□□□□□□ — மேகங்களால் எண்ணெய் தேய்த்துக்கொள்வது போல் (உடலைப் பளபளக்கவைக்கும் மழை) பொழிவிக்கப்பட்டவர்
574. □□□□□□□□□□□□□□□□ — பெருங்காற்றுகளால் நன்று விசிறிவிடப்பட்டவர்
575. □□□□□□□□□□□□□□□□ — மரங்களால் வெயிலிலிருந்து நன்கு பார்த்துக்கொள்ளப்பட்டவர்
576. □□□□□□□□□□□□□□□□ — ஸிம்ஹங்களைப் போல் (கம்பீரமாக) அமர்பவர்

577. □□□□□□□□□□□□□□ — மலைப்பாம்புகளைப் போல் (ஒரு முறை) போதுமான அளவு உண்டு (வெகு காலம் த்ருப்தியுடன்) இருப்பவர்
578. □□□□□□□□□□□□□□ — மதம்பிடித்த யானைகளானைய அழகிய புன்முறுவல் உடையவர்
579. □□□□□□□□□□□□□□□□ — குறைகளில் ஸுகமாக தங்கியவர்
580. □□□□□□□□□□□□□□□□ — (ஆங்காங்கு) எளிதில் கிளம்பி போவதற்கு பெருங்காட்டினால் (நல்ல பாதை அளிக்கப்பட்டவர்)
581. □□□□□□□□□□□□□□ — காக்கைகளால் சுப சகுனமாக கரையப்பெற்றவர்
582. □□□□□□□□□□□□□□ — குளங்களில் த்ருப்தியாக நீர் பருகியவர்
583. □□□□□□□□□□□□□□ — பழுத்த மரங்களினால் நன்கு உண்டவர்
584. □□□□□□□□□□□□□□ — பூமி தூசி (உடல்முழுதும் சந்தனம்போல்) நன்கு பூசப்பெற்றவர்
585. □□□□□□□□□□□□□□ — கந்தராடையை உயர்ந்த வஸ்த்ரம் போல் தரிப்பவர்
586. □□□□□□□□□□□□□□ — ஜபங்கள் நன்கு நடக்கின்றனவா என்று (விசாரிப்பதுபோல் இடையூறு செய்யாமல்) கரடிகள் அப்பால் செல்லப்பெற்றவர்
587. □□□□□□□□□□□□□□ — சாதக (பறவைகள் குரல் கொடுப்பதால்) பாராட்டப்பட்ட (உபநிஷத் முதலிய) உயர்ந்த பாராயணம் செய்தவர்
588. □□□□□□□□□□□□□□ — நன்கு உறங்கினீர்களா என்று குரங்குகளால் (வந்து விசாரிக்கப்பட்டவர்)
589. □□□□□□□□□□□□□□ — அழகிய பாட்டுகளால் குயில்களால் போற்றப்பட்டவர்
590. □□□□□□□□□□□□□□ — (காலையில் இங்குமங்கும் ஸஞ்சரிக்கையில்) முள்ளம்பன்றிகளால் (எங்கள் மேல் மோதிக்கொள்ளாமல் இருக்க) நன்கு விழித்துக்கொண்டீர்களா என்று விசாரிக்கப்பட்டவர்
591. □□□□□□□□□□□□□□ — பகல் காரியங்களுக்கு சூரியனால் அனுகூலம் செய்யப்பட்டவர்

592. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — இரவு காரியங்களுக்கு சந்திரனால் அனுகூலம் செய்யப்பட்டவர்
593. □□□□□□□□□□□□□□□□ — பகல் இரவும் சேர்ந்து அனுகூல பொழுதுகள் அளிக்கப்பட்டவர்
594. □□□□□ — (நிர்குண ஸ்வரூபத்தில்) வாக்கு அற்றவர்
595. □□□□□ — (நிர்குண ஸ்வரூபத்தில்) உடலற்றவர்
596. □□□□□□□ — (நிர்குண ஸ்வரூபத்தில்) மனம் அற்றவர்
597. □□□□□ — தண்டம் ஏந்தியவர்
598. □□□□□□□□□□□□ — தவைதம் எனும் இருளுக்கு சூரியன் போன்றவர்
599. □□□□□□□ — (ஆளுகை, தர்மம், புகழ், செல்வம், ஞானம், வைராக்யம் ஆகிய) ஆறு குணமுடைய (பகவத்ஸ்வரூபமானவர்)
600. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — (இருக்கலாம், இல்லாமல் போகலாம் முதலிய) ஏழு விதமாக “இருக்கலாம்” என்று சொல்லும் (ஜைன மதத்தை) உடைத்தவர்
601. □□□□□□□□□□□□□□□□ — எட்டு (பெரிய) சித்திகள் உடையவர்
602. □□□□□□□□□□□□□□□□ — முக்கண் உடைய (அம்பாள்/சிவன்) வடிவினர்
603. □□□□□□□□□□□□□□□□ — நான்கு புருஷார்த்தங்களை (பொழியக்கூடிய) காமதேனுவானவர்
604. □□□□□□□□□□□□□□ — ஞானத்தை (உணவுபோல்) பரிமாறக்கூடியவர்
605. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — ஸ்ரீ நவாவரண அர்ச்சனை முதலான வித்யைகளுக்கு ஆசிரியர்
606. □□□□ — (கர்ப்பவாஸம், பாலியம் முதலிய ஸரீர்) நிலைகள் அற்றவர்
607. □□□□ — வடிவழகு குன்றாதவர்
608. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — பதினோரு முறை ருத்ரம் ஜபம் செய்வித்து பிறைகுடிக்கு அபிஷேகம் செய்வித்தவர்

- 74

622. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — மிகவும்
சுமாரான (திறம்கொண்டிருந்த) ஆநந்தகிரி (என்ற சீடர்) தோடகம் (எனும்
யாப்பில் குருவைத் துதித்து
623. □□□ —
— சித்ஸுகாசார்யரால் இயற்றப்பட்ட தன் சரிதையால் விளக்கப்பட்ட
ஆஸ்ரம (நிஷ்டையை) உடையவர்
624. □□□ —
— உபதேஸ
ஸாஹஸ்ரீ முதலிய (நூல்களால்) பரவலாக (பலரும் பயன்பெற)
அத்வைதத்தை விளக்கியவர்
625. □□□ —
— (ஞான மார்க்கத்திற்கு
ஸாதனமான) எட்டு ஆம்னாயங்களுக்கு வழிகாட்டி
626. □□□ —
— மத்யம (நடு) ஆம்னாயத்தில் (தானே
முதல் பீடாதிபதியாக) நிலைத்தவர்
627. □□□ —
— (இந்த ஆம்னாயங்கள்)
வளருவதால் (நாஸ்திகராகிய) புத்த மதத்தினவரை த்வம்ஸம் செய்தவர்
628. □□□ —
— (முதல் ஆம்னாயத்திற்கு) துவாரகா
மடத்தை நிர்மாணித்தவர்
629. □□□ —
— காளிகா(வை ஆம்னாய ஸக்தியாகக்
கொண்ட) பீடத்தை உருவாக்கியவர்
630. □□□ —
— (ஆம்னாய ஈஸ்வரராக)
ஸித்தேஸ்வரரை வழிபட்டவர்
631. □□□ —
— (ஆம்னாய ஸக்தியான) பத்ரகாளியை
சந்தோஷப்படுத்தியவர்
632. □□□□□□□□ — (ஆம்னாய வேதமான) ஸாமவேதத்தை ஓதியவர்
633. □□□□□□□□□□ — பூச்சிகளை இம்சிக்காமல் இருக்கும் (ஆம்னாய) விரதம்
கொண்டவர்
634. □□□ —
— கோமதீ (என்னும் நதியை ஆம்னாய)
தீர்த்தமாக சேவித்தவர்

635. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ —
(ப்ரஹ்ம) ஸ்வரூபர் என்ற ப்ரஹ்மசாரிக்கு ஆசானான பத்மபாதருக்கு
வழிகாட்டியவர்
636. □□□□□□ — (இந்த ஆம்னாயத்திற்கு தஸநாமிகளில்) ஆஸ்ரம எனும் பட்டம்
அளித்தவர்
637. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — (ஸாமவேதத்தின்)
தத்த்வமஸி (என்பதை) முதலாகக் கொண்டு (உபதேசித்த) மஹா வாக்கிய
வடிவானவர்
638. □□□□□□□□□□□□□□ — (இரண்டாம் ஆம்னாயத்திற்கு) ஜ்யோதிர்
மடத்தை நிறுவியவர்
639. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — ஜ்யோதிஷ்மதீ பீடத்துக்கு
வழிகாட்டியவர்
640. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — பதரிகாஸ்ரமத்தை இருப்பிடமாகக்
கொண்டவர்
641. □□□□□□□□□□□□□□ — அலகாநந்தாவில் நீராடியவர்
642. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — அதர்வாங்கிரஸ வேதத்தை அறிந்தவர்
643. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — ஸ்ரீ பூர்ணாகிரி (எனும் தேவியை)
சேவித்தவர்
644. □□□□□□□□□□□□□□□□ — (மூன்றாவது ஆம்னாயத்திற்கான)
கோவர்த்தன மடத்தின் தலைவர்
645. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — (தஸநாமிகளுள்) கிரி என்ற யோகபட்டத்தை
(சில ஸிஷ்யர்களுக்கு) ஆஸ்ரயித்தவர்
646. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — புருஷோத்தமரின் நல்ல
க்ஷேத்ரத்தில் இருந்தவர்
647. □□□□□□□□□□□□□□□□ — விமலா பீடத்தை முறைப்படுத்தியவர்
648. □□□□□□□□ — (உலகாயத ஆனந்தத்தை விட) நூறு நூறு மடங்கு
ஆனந்தம் கொண்டதாக (உபநிஷத்தில் வர்ணிக்கப்பட்டவர்)
649. □□□□□□ — (அவ்வாறே) நூறு நூறு மடங்கு ஸக்திகளையும் கொண்டவர்

650. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — பத்து இந்திரியங்களையும் அடக்கியவர்
651. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — (நான்காவது ஆம்நாயத்திற்கு) அழகு கொழிக்கும் தேஸமாகிய ருஸ்யஸ்ருங்க கிரியில் தங்கியவர்
652. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — வ்யாக்யான பீடத்தில் அமரும்படி ஸாரதையின் வாக்கினால் அருளப்பட்டவர்
653. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — ராமசந்தரபுரம் என்ற க்ஷேத்ரத்தில் வசித்தவர்
654. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — துங்கையும் பத்ரையும் (கூடுமிடத்தின்) தடத்தில் ஆஸ்ரமம் அமைத்தவர்
655. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — வராஹரை தேவனாகவும் ஸாரதையை ஸக்தியாகவும் கொண்டவர்
656. □□□□□□□□ — மிகுதியான (செல்வச்செழிப்பைத்) தவிர்ப்பதை (வ்ரதமாகக் கொண்டவர்)
657. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — க்ருஷ்ண யஜுர் வேதத்தை பயின்றவர்
658. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — பெருமைக்குரிய பாரதி எனும் பட்டத்தை (ஸிஷ்யர்களுக்கு அளித்தவர்)
659. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — விபண்டக முனிவரின் இருப்பிடத்தில் உள்ள மலஹானிகரேஸரை தரிசித்தவர்
660. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — (அதே கர்ணாடகத்தில் ஹம்பியில்) விருபாக்ஷ (க்ஷேத்ரத்தில் உள்ள) மஹாதேவரின் உயர்ந்த கோவிலை ஆஸ்ரயித்தவர்
661. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — பண்டிதருலகு மதிக்கத்தக்க (ஐந்தாவது) மூல ஆம்நாயத்தின் (ஸ்தாபகரான) மஹாகுருவானவர்

- 78

674. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ —
ஸர்வஜ்ஞ பீடம் ஏறியதால் “இவர் அனைத்தையும் அறிந்தவரா?” என்ற
ஐயத்தைத் தொலைத்தவர்
675. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ —
ஸுரேஸ்வரர் முதலிய நல்மாணாக்கர்கள் வணங்கிய பாதுகையை
உடையவர்
676. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — (பூர்வம் உத்தரம் ஆகிய) இரு
மீமாம்ஸைகளில் கரைகண்டவர்
677. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — வைஸேஷிகம் ந்யாயம் இரண்டின்
பாதையையும் அறிந்தவர்
678. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ —
முப்பத்திரண்டு வயதிற்குள் மும்முறை பூமியை (பாரதத்தை) ப்ரதக்ஷிணம்
செய்தவர்
679. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — சேது முதல்
இமாலயம் வரை தர்மத்தை நிலைநிறுத்திய ஆசிரியர்
680. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ —
தம் வித்யையால் பரவசமான அனைத்து தேசத்து அறிஞர்களாலும்
பூஜிக்கப்பட்டவர்
681. □□□□□□□□ — உலகிற்கே குரு
682. □□□□□□□□ — (ஈசனார் வடிவில்) உலகின் பிறப்பு (இருப்பு
மறைவுகளுக்கு) இடமானவர்
683. □□□□□□□□□□□□ — (ஈசனார் வடிவில்) ஸாஸ்த்ரங்களின் பிறப்பிடம்
684. □□□□□□□ — (முரணாகத் தோன்றும் வேதாந்த வாக்யங்களை)
ஒருங்கிணைத்தவர்
685. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — தெளிவாகவும்
தெளிவின்றியும் பரம்பொருளைக் குறிப்பவற்றை (அறிந்தவர்)
686. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — ஸாங்க்ய யோக (ஸாஸ்த்ரங்களை)
பரிசீலித்தவர்

687. □□□□□□□□□□□□ — இலக்கணம் கூறுபவர்களின் கருத்தை பரிசோதித்தவர்
688. □□□□□□ — வசிஷ்டர் (போல் பிறரின் தாக்குதலை எளிதில் சமாளித்தவர்)
689. □□□□□□□□ — (பரம்பொருள் வடிவில்) விண்ணை ஆடையாக கொண்டவர்
690. □□□□□□□□□□□□□□ — ந்யாய ஸாஸ்த்ரத்தின் (குறைகொண்ட) வாதங்களை முடக்கியவர்
691. □□□□□□□□□□□□ — வைசேஷிகர்களின் கருவத்தை அடக்கியவர்
692. □□□□□□□□□□□□□□□□ — புத்த மதத்தினரின் செருக்கை சீர்குலைத்தவர்
693. □□□□□□□□□□□□□□□□ — ஜைமினீயத்தின் குறுகிய பார்வையை முறியடித்தவர்
694. □□□□□□□□□□□□□□□□ — திகம்பரர்கள் கொண்டு வந்த கடைசி வாதங்களையும் அழித்தவர்
695. □□□□□□□□□□□□□□□□ — பாசுபதர்களின் செயல்பாடுகளை சிதறடித்தவர்
696. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — ஆத்மா (இல்லை, அனைத்தும்) சூன்யமே என்னும் வாதத்தை வீழ்த்தியவர்
697. □□□□□□□□□□□□□□ — (ஸங்கர்ஷணன் முதலிய நான்கு வடிவங்களே இறைவனின் உண்மை வடிவம் என்ற) பாகவத மதத்தை வென்றவர்
698. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — வலுத்த ந்யாயங்களால் கம்பீரமாகவுள்ள பாஷ்யத்தை விளையாட்டாக இயற்றியவர்
699. □□□□□□□□□□□□□□□□ — ஜீவனின் சரிதத்தை விளக்கியவர்
700. □□□□□□□□□□□□□□□□ — பிரபஞ்சத்தின் தோற்றத்தை கற்றுணர்ந்தவர்

701. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — இருப்பின் எல்லைகளை பாகுபடுத்த தெரிந்தவர்
702. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — பிரளயத்தின் பொருளை தெளிவாக்கியவர்
703. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — சம்சாரத்தின் தத்துவத்தை அலசியவர்
704. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — மாயா தத்துவத்தை நிரூபணம் செய்தவர்
705. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ —
அவித்யையால் ஏற்பட்ட பிரமையை அதன் காரணத்துடன் வேரறுப்பதில் வல்லுநர்
706. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — ஸம்ஸாரத்தைத் தாண்டும் வழியைக் காட்டுவதில் மிகவும் திறமுள்ள வாக்கினர்
707. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — (அத்வைத) ரஸிகர்களுக்கு உவகையளிக்கும்படி மஹாவாக்யங்களை செம்மையுற விளக்கியவர்
708. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — உள்ளர்த்தத்தை முக்கியமாகக் கொண்ட அமருக ஸத ஸ்லோகி என்ற நூலை இயற்றியவர்
709. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ —
— ப்ரஹ்ம ஸூத்ரம், உபநிஷதம், கீதை ஆகிய ப்ரஸ்தானங்களுக்கு விரிவுரை எழுதியவர்
710. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — உள்ளிருக்கும் பிரமத்துடன் ஐக்கியம் பெறும் வழியைக் காட்டியவர்
711. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — மோக்ஷத்தின் பாதையைக் காட்டியவர்
712. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — எப்போதும் உபநிஷதங்களின் சொற்றொடர்களுையே சிந்தித்து வந்தவர்
713. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — வேதாந்தமெனும் அரண்யத்தில் ஸிம்ஹம் போன்றவர்
714. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — தத்துவ ஞானத்தில் பரந்த சமுத்திரமனையவர்

715. □□□□□ — இளைஞர்
716. □□□□□□□□□ — (ஆனால்) இளம் பெண்களிடம் ஈடுபாடில்லாதவர்
717. □□□□□□□□□□□□□□□ — சந்த்ரனைப் போன்ற பொலிவுடையவர்
718. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — கடை தேற்றும் பிரம்ம தத்துவத்தை அறிந்தவர்
719. □□□□□□ — தவமியற்றியவர்
720. □□□□□□□□□ — தவசிகளைப் பின்பற்றுபவர் (அல்லது) தவசிகளான சீடர்களை உடையவர்
721. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — (உடல், இயற்கை, பிராணிகள் ஆகிய) மூன்றாலும் ஏற்படும் இன்னல்கள் அற்றவர்
722. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — மிருதுவான சொற்களால் (மாற்றுக்கருத்துகளை) நிராகரித்தவர்
723. □□□□□□□□ — (மனவடக்கம் மற்றும் புலனடக்கம் ஆகிய) அலங்காரங்களைக் கொண்டவர்
724. □□□□□□□□□□□□□□ — (உலக ரீதியில்) மிகவும் மதிக்கத்தக்கவர்களால் நாடப்பட்டவர்
725. □□□□□□□□ — (தன் சொருபமாகிய) ஆத்மாவை (உலகின் காரணமான ப்ரஹ்மமாக) அறிந்தவர்
726. □□□□□□□□□□□□□□ — ப்ரஹ்மமாகிய (உலகின் காரணத்தை தன் சொருபமான ஆத்மாவாக) உணர்ந்தவர்களுள் சிறந்தவர்
727. □□□□□□□□□□ — வேதத்திற்கு ஹிதமானவர்
728. □□□□□□□□□□ — தாமே ப்ரஹ்மமாக ஆனவர்
729. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — தனது இருப்பிடமாக விரும்பிய (மதிக்கத்தக்க) காஞ்சியிலேயே நிலைத்தவர்
730. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — புண்ணிய தலங்களுக்கு யாத்திரை செய்தவர்

731. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — (ஆறாவது) ஊர்த்வ
(மேலான) ஆம்னாயத்தின் தத்துவப் பொருளை உணர்ந்தவர்
732. □□□□□□□□□□□□□□□□ — (தானொன்றே இருப்பதாகிய)
கைவல்யமெனும் க்ஷேத்ரத்திற்கு விஜயம் செய்தவர்
733. □□□□□□□□□□□□□□□□ — சுத்தமான மனதையே தீர்த்தமாகக்
கொண்டவர்
734. □□□□□□□□□□□□□□□□ — (உலகிற்கு உச்சியான) மேருவின் அடியை
(மடமாகக் கொண்டு) ஸஞ்சரித்தவர்
735. □□□□□□□□□□□□□□□□ — மாயையை (பீடத்தின்) ஸக்தியாக
பூஜித்தவர்
736. □□□□□□□□□□□□□□□□ — (இந்தர ஸரஸ்வதி முதலிய
பட்டங்களுக்கு பதில்) ஸத்யம் ஞானம் என்ற பெயர்களாலேயே
அழைக்கத்தக்கவர்
737. □□□□□□□□□□□□□□□□ — இடையறாத ஆனந்த மூர்த்தியானவர்
738. □□□□□□□□□□□□□□□□ — ஸோஹம் (அதாவது) சிவனே நான்
என்பதை (மஹா)வாக்யமான செல்வமாகக் கொண்டவர்
739. □□□□□□□□□□□□□□□□ — (ஏழாவது) உள்ளிருக்கும் ஆம்னாயத்தை
அறிந்தவர்
740. □□□□□□□□□□□□□□□□ — (ஸம்ஸார) தோஷங்களற்ற ஈஸ்வரனை
வழிபடுபவர்
741. □□□□□□ — செல்வத்தை உண்டு செய்பவர்
742. □□□□□□□□□□□□□□ — சம்பிரதாயங்களை (வகுத்தளித்தமையால்)
தாங்கியவர்
743. □□□□□□□□□□□□□□□□ — வித்யையை (ஸக்தியாகக் கொண்ட)
பீடத்தின் மஹா யோகி
744. □□□□□□□□□□□□□□□□ — பரமாத்மாவையே (பீடத்தின்) மடமாக
ஆஸ்ரயித்தவர்

745. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — (அறிவு அறிபவன் அறியப்படுவது என்னும்) த்ரிபுடியே (பீடத்தின்) தீர்த்தமாகக் கொண்டு அதில் நீராடியவர்
746. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — யோகத்தையே (பீடத்தின்) க்ஷேத்ரமாகக் (கொண்டு அதனை ப்ரகாஸிக்க வைக்கும்) ஸூர்யனானவர்
747. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — ஸ்ரீவித்யையை (பீடத்தின்) ஸக்தியாகக் (கொண்டு) ஜபத்தினால் (உபாஸித்தவர்)
748. □□□□□□□ — மந்த்ரங்களின் (இருப்பிடமானவர்)
749. □□□□□□□□□□□□ — (தன்னில்) சந்தோஷித்து இருப்பதையே ஸம்ப்ரதாயமாகக் கொண்டவர்
750. □□□□□□□□□□□□□□□□ — பரமஹம்ஸ (நிலையையே ஈஸ்வர ஸ்வரூபமாகக் கொண்ட அத்தகைய நான்காம் நிலையிலுள்ள) ஸந்ந்யாஸி
751. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — பொலிவுடன் தன்னில் நிலைபெற்ற ப்ரஹ்மசர்யத்தைக் கொண்டவர்
752. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — (ஐம்பது) மாத்ருகா வர்ணங்களையும் ஒரே மஹாவாக்ய வடிவில் (பார்ப்பவர்)
753. □□□□□□□□□□□□□□ — உடலைப் பார்க்கும் ஸாக்ஷி சைதந்ய வடிவமான (ஆம்னாய பீடாதிபதியானவர்)
754. □□□□□□□□□□ — (உலகில்) அழியாதவை (என்று ப்ரஸித்தமானவற்றைக்) காட்டிலும் பெரியவர்
755. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — (எட்டாவது) நிஷ்கல ஆம்னாயத்தில் நிலைபெற்றவர்
756. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — சாந்தமும் பொறுமையும் உடையவர்
757. □□□□□ — சைதன்யத்தையே (சக்தியாகக் கொண்டவர்)
758. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — ஆனந்த பீடத்தில் உறைந்தவர்
759. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — சுய அனுபவமே க்ஷேத்ரமாகக் கொண்டவர்

760. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — (ஸாஸ்த்ரத்தில்)
நம்பிக்கையாலும் (மற்றவர்களிடத்தில்) நட்பாலும் அறியத்தக்க
(சொருபத்தினர்)
761. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — ஸச்சித் (ஸ்வரூபமே) மடமாகக்
கொண்டவர்
762. □□□□□□□□□□ — ஆகாயமே தீர்த்தமாகக் கொண்டவர்
763. □□□□□□□□ — ஆகாயம் (போன்று ஸூக்ஷ்மமாக உள்ள பரம்பொருளைப்)
பார்த்தவர்
764. □□□ — ஆகாயம் (முதலிய சொற்களால் உபநிஷத்துகளில் சொல்லப்பட்ட
பரம்பொருளானவர்)
765. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — சைதன்யம் மற்றும் அதன் ஸக்தி இவற்றை
சிந்திப்பவர்
766. □□□□□□□□□□□□ — ப்ரணவத்தில் அமிழ்ந்தவர்
767. □□□□□ — (தமது குருமார்கள் விஷயத்தில்) வணங்கிய (உடலுறுப்புகளைக்)
கொண்டவர்
768. □□□□□□□□□□□□□□ — நந்த கோப குமாரனை பூஜித்தவர்
769. □□□□ — (தன்னைக் காட்டிலும் பெரியது இல்லாத) பெரும்பொருளானவர்
770. □□□□□□□□□□□□□□□□ — பிரமானந்தம் என்ற பெயர் கொண்ட
(ஸ்வரூபத்தினர்)
771. □□□□□□□ — (ஸாக்ஷி ஸ்வரூபமாக) மாறாமல் உள்ளுறைபவர்
772. □□□□□□ — அழிவில்லாதவர்
773. □□□□□□ — (பக்தர்களின்) விருப்பத்தை நிறைவேற்றுபவர்
774. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — உள்ளும் வெளியும் தனித்தனியாக
இல்லாதவர்
775. □□□□□□□□ — அனைத்திலும் உயிராக உறைபவர்
776. □□□□ — பகுதிகளற்றவர்
777. □□□□□ — (மாயையால்) பல (வடிவமாகத் தோன்றுபவர்)

778. □□□□□□ — ஸரீரத்தில் வீற்றிருக்கும் (ஆத்ம ஸ்வரூபமானவர்)
779. □□□□□□□ — ஸம்ருத்தியுடையவர்
780. □□□□□□ — நிறைவானவர்
781. □□□□□□□□□□ — இருப்பாக இருப்பவர்
782. □□□□□□□ — பழமை காலமுதலே இருப்பவர்
783. □□□□□□□ — நுகர்வை (ஸத்விஷயத்தில் கட்டுப்படுத்தும்) யோகத்தை அளிப்பவர்
784. □□□□□□□ — யோகத்தையே தன் நுகரும் பொருளாக ஆக்கியவர்
785. □□□□□□□□□ — உலகங்களில் உள்ளுறைபவர்
786. □□□□□□ — (விரும்பத்தக்க ஒரே பொருளாகையால்) வனம் (எனப்படும் ப்ரஹ்மத்தில் ஸஞ்சரிப்பவர்)
787. □□□□□□□□ — (ஸத்கார்யங்களை செய்வதற்கு வேண்டிய) செல்வத்தை உருவாக்குபவர்
788. □□□□□□ — (அத்தகைய) செல்வத்தை (அத்தகைய காரியங்களுக்காக நமக்கு) தருபவர்
789. □□□□ — எங்கும் வ்யாபித்திருப்பவர்
790. □□□□□□ — (பக்தர்களுக்கு அருள) பலவிடங்களில் உறைபவர்
791. □□□□□□□□□ — இறைவனின் ஸ்ருஷ்டியை ரசிப்பவர்
792. □□□□□□□□ — (உலகத்திற்கு க்ஷேமம் ஏற்படும் வகையில் காஞ்சீபுரத்தில்) ஸ்ரீசக்ரத்தை ஸ்தாபித்தவர்
793. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — (அங்கு) ஸ்ரீசக்ர பூஜை அர்ச்சனை சம்பிரதாயத்தை செயல்படுத்தியவர்
794. □□□□□□□□□□□□□□□□ — பாம்புகளை அணிகலன்களாக்கிக் கொண்ட (சிவனார்) வடிவினர்
795. □□□□□□□□□□□□□□□□ — (சிவனார் வடிவில்) விஷ்ணுவினால் ஸேவிக்கப்பட்டவர்

796. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — சக்ரவர்த்திகளின் தலையணிகளில் அங்கமான நககாந்தியைக் கொண்டவர்
797. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — ஏழை அந்தண பெண்மணியின் வீட்டில் உள்ள (மண்) கலயங்கள் அனைத்தும் தங்கமாக்கியவர்
798. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — (யுக்தியால்) சாதுர்யமிக்கதும் (கருணையால்) பெருந்தன்மை மிக்கதும் (பொருளினால்) கம்பீரம் மிக்கதுமான வாக்யங்களால் வாதம் செய்பவர்
799. □□□□□□ — பயணித்துக்கொண்டே இருப்பவர்
800. □□□□□□□□□□□□□□ — பிறைசூடி வடிவினர்
801. □□□□□□□□□□□□□□ — சம்பங்கி (மொட்டை) விட (அழகிய) மூக்கை உடையவர்
802. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — பூமியெங்கும் ஸஞ்சரிக்கும் பலவித மதங்களை மிச்சமின்றி விசாரித்து (பதிலளித்தவர்)
803. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — அத்வைத ஞானத்தை (எங்கும்) ப்ரச்சாரம் செய்தவர்
804. □□□ — (பக்தர்களுக்கு அருள ஆங்காங்கு) ஸஞ்சரித்துக்கொண்டே இருப்பவர்
805. □□□□□□ — பலவித (திறன்கள்) கொண்டவர்
806. □□□□□□□□ — சிதாகாஸ வடிவினர்
807. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — ஸத்யவ்ரத ஸ்தானம் (எனும் காஞ்சியில்) சுகமாக வெகுகாலம் தங்கியவர்
808. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — மாணவர்களின் ஹ்ருதயத்தில் இருக்கும் சிக்கல்களை சூர்ணமாக்கியவர்
809. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — துஷ்டர்களின் வாய்களை மண்ணைக் கவ்வச் செய்பவர்
810. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — ஸ்தாபனங்கள் ஏற்படுத்தியவர்களில் தலைச்சிறந்தவர்

811. □□□□□□□□□□□□□□□□ — பெரும் புகழை நிலைநிறுத்தியவர்
812. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ —
பெரிய (பௌத்தர்களான) விஞ்ஞானவாதிகளின் கர்வத்தை முழுவதும்
தேய்ப்பதற்காக வந்தவர்
813. □□□□□□□□□□□□□□□□ — பூமியில் இருப்போர்கள் அனைவருக்கும்
(நித்ய) மகிழ்ச்சியை (அளிக்கவல்ல நன்மையை உபதேசித்தவர்)
814. □□□□□□□□□□□□□□□□ — துறவிகளுக்கான தர்மத்தை
ஆராய்ந்தவர்/நேராக காட்டியவர்
815. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — ஆன்மிகத்தின்
உண்மையைக் காட்டியவர்
816. □□□□□□□□□□□□□□□□ — அறிஞர் கூட்டத்தால் நாடப்பட்டவர்
817. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — நதி, நதம்,
ஏரி (முதலான) நீர்நிலைகளில் முங்கி நீராடி தூய்மை பெற்ற உடலினர்
(உண்மையில் அவற்றை தூய்மைப்படுத்தியவர்)
818. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ —
(கர்வமுள்ள) பண்டிதர்கள் கூட்டத்தின் பாண்டித்யத்தை கவ்வவல்ல
சொற்கள் கொண்டவர்
819. □□□□□□□□□□□□□□□□ — தத் பதத்தின் பொருளை பிரகடனப்படுத்தியவர்
820. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — த்வம் பதத்தின் பொருளை
விளங்கச் செய்பவர்
821. □□□□□□□□□□ — எப்போதும் ஆனந்தமாக இருப்பவர்
822. □□□□□□□□□□ — (சுதந்திரமாய்) எதையும் சாராமல் இருப்பவர்
823. □□□□□□□ — புலன்களுக்கு அப்பாற்பட்டவர்
824. □□□□□□□□□□□□ — எல்லாவற்றையும் (ஸாக்ஷி பாவத்துடன்) பார்ப்பவர்
825. □□□□□□□□ — அழிவற்ற ஞானம் உடையவர்
826. □□□□□□□□□□□□□□ — நித்யத்தையே (அடைய வேண்டும் என்ற)
ஸங்கல்பம் கொண்டவர்

827. □□□□□□□□ — (மோக்ஷம் எனும்) பொக்கிஷத்தில் நின்றவர்
828. □□□□□□□□□□ — அவித்யை அற்றவர்
829. □□□□□□□□□□ — நித்யமாகிய (பரம்பொருளில்) வசிப்பவர்
830. □□□□□□□□□□ — எப்போதும் தூய்மையாக இருப்பவர்
831. □□□□□□□□□□ — பேராசை இல்லாதவர்
832. □□□□□□□□□□ — வேத விரோதிகளை ஒழிப்பவர்
833. □□□□□□□□ — (ஸம்ஸார) தோஷங்கள் அற்றவர்
834. □□□□□□□□□□□□ — எப்போதும் வணங்கத்தக்கவர்
835. □□□□□□□□□□□□ — எப்போதும் விடுதலையானவர் (ஸம்ஸார பந்தமே இல்லாதவர்)
836. □□□□□□□□□□ — (தனக்கு) தலைவன் இல்லாதவர்
837. □□□□□□□□□□ — (தன்னை) உருவாக்கியவன் அற்றவர்
838. □□□□□□□□□□ — எதையும் சேர்த்துக்கொள்ளாதவர்
839. □□□□□□□□ — தனது என்று ஒன்றுமில்லாதவர்
840. □□□□□□ — தங்கக்காசு (போன்றவர்)
841. □□□□□□□□□□□□ — அனைத்தும் வசிக்கும் இருப்பிடமானவர்
842. □□□□□□□□ — (தேஹமாகிய) கோட்டையில் உறைபவர்
843. □□□□□□□□ — (அனைவருக்கும்) முன் செல்பவர்
844. □□□□□□□□ — புண்யமானவர்
845. □□□□□□□□□□ — முன்னோர்களை வணங்குபவர்
846. □□□□□□□□□□□□ — பலருக்கும் பிரியமானவர்
847. □□□□□□□□□□□□□□ — கொண்டாடப்படும் வீரம் மிக்கவர்
848. □□□□□□□□□□ — வித்யைகளுக்கெல்லாம் அதிபதி
849. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — ஸ்ரீவித்யையின் ஷோடஸி மந்த்ரத்துக்கு குரு
850. □□□□□□□□□□ — (அனைவராலும்) அடையாளம் காணப்பெறுபவர்

851. □□□□□□ — (வேத வாக்யங்களால் நேரடியாக தெரிவிக்கவியலாமல்) மறைமுகமாக தெரிவிக்கப்படுபவர்
852. □□□□□□□□ — (ஸூபமான) அங்க லக்ஷணங்களை உடையவர்
853. □□□□□□□□□□ — லக்ஷணங்களை அறிந்தவர்
854. □□□□□□□ — ஒளிரும் ஸ்தானம் கொண்டவர்
855. □□□□□□□□ — அடக்கமானவர்
856. □□□□□□□ — அன்னம் போன்ற (அழகுற) நகருபவர்
857. □□□□ — அன்னம் (போல் நித்யாநித்யங்களை பிரிக்கத்தெரிந்தவர்)
858. □□□□□□□□□□□□□□□□ — அன்னம் போன்ற வெண்ணிற இதயத்தாமரை கொண்டவர்
859. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — ஹம்ஸ என்னும் மந்திரத்தின் தத்துவ பொருளை அறிந்தவர்
860. □□□□□□□□ — ஸூர்யன் போன்ற நிறத்தினர்
861. □□□□□□□□□□ — ஹரிக்கு பிரியமானவர்
862. □□□□□□□□□□□□□□ — மகிழ்ச்சியும் கோபத்தையும் சகித்துக்கொள்பவர்
863. □□□□□□□□ — (உள்ளிருக்கும் ஆனந்தத்தால்) சிரித்துக்கொண்டு சுகமாய் இருப்பவர்
864. □□□□□□□□□□□□□□□□ — மிகுவது குறைவது (இரண்டையும்) தள்ளிய (பரம்பொருளானவர்)
865. □□□□□ — ஸபையில் முன்னிற்பவர்
866. □□□□□□□ — ஸபைக்கு தலைவர்
867. □□□□□□ — (அனைத்திற்கும்) உரிமையாளர்
868. □□□□□□□□ — (சேவை செய்பவர்களுக்கு அனுக்ரஹமாகிய) நல்ல ஊதியம் அளிப்பவர்
869. □□□□□□□□□□ — (மீண்டும் மீண்டும்) பிறப்பதன் (அவசியத்தை) தவிர்ப்பவர்

870. □□□□□□□□□□□□□□□□ — விளாமிச்சை வேர் போல் குளிர்ச்சியாகவும் (வாசனையாகவும் உள்ள) மனதைக் கொண்டவர்
871. □□□□□□□□□□□□□□□□ — லஜ்ஜையுடவளாகிய (அம்பாளால் ஆனால் தைரியமாக) அபஹரிக்கப்பட்ட (பாதி) உடலைக் கொண்டவர்
872. □□□□□□□□□□□□□□□□ — அனைத்து மந்த்ரங்களின் லக்ஷ்ய அர்த்தங்களையும் (அறிந்தவர்)
873. □□□□□□□□□□□□□□□□ — லக்ஷம் கோடி ப்ரம்மாண்டங்களுக்கு நாயகன்
874. □□□□□□□□ — லளிதமான உடலைக் கொண்டவர்
875. □□□□□□□□ — (பிரம்மத்துடன்) லயத்தை அறிந்தவர்
876. □□□□□□□□ — தன்னை அடைந்தவர்
877. □□□□□□□□□□ — கிடைத்த (தன் சொரூபமான ஆனந்தத்தில்) களித்திருப்பவர்
878. □□□□□□□□□□ — சங்கு போன்ற கழுத்துடையவர்
879. □□□□□□□□□□ — கலியை துவம்சம் செய்பவர்
880. □□□□□□□□□□□□ — மங்களங்களில் உள்ளுறைபவர்
881. □□□□□□□□ — அழகிய குரலுடையவர்
882. □□□□□□□□□□□□□□□□ — பண்டிதர்களின் கூட்டத்தை அலங்கரிப்பவர்
883. □□□□ — பூமியில் அவதரித்தவர்
884. □□□□□□□□□□□□ — பூமியில் வாழும் தேவர்களால் (அந்தணர்களால்) வணங்கப்பட்டவர்
885. □□□□□□□□ — யாகங்களை அறிந்தவர்
886. □□□□□□□□ — யோகத்தை அறிந்தவர்
887. □□□□□□ — காரியங்களில் தானே ஈடுபட்டவர்
888. □□□□□ — புகழை அளிப்பவர்
889. □□□□□□□□ — சுய கட்டுப்பாட்டை விரும்புபவர்

890. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — ஓங்காரம் வியாஹ்ருதிகள்
இவற்றில் இருந்து எண்ணங்களை நீக்காதவர்
891. □□□□□□□□□□□□□□□□ — எதிரிக்கூட்டத்தை (வாதில் வென்று)
வணங்கச்செய்தவர்
892. □□□□□□□□□□□□□□□□ — நாக பர்வதத்தின் உச்சியில் ஸஞ்சரித்தவர்
893. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — ராமகிரி ஆம்ரமத்தை ஆம்ரயித்தவர்
894. □□□□□□□□□□□□□□□□ — வேண்டிய செல்வத்தைத் தருபவர்
895. □□□□□ — (உலகை தன்னுள் லயமாகும்படி) ஸம்ஹரிப்பவர்
896. □□□□□ — ஏக்கமற்றவர்
897. □□□□□□□□□ — மகிழ்ச்சியில் களித்தவர்
898. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — யதிகளின் நடத்தையை ஆராய்ந்து
அறிந்தவர்
899. □□□□□ — (விசாரங்களில்) புத்தியைக் கட்டுப்படுத்தியவர்
900. □□□□□□□ — (வ்யவஹாரங்களில் மனோ)பாவத்தைக் கட்டுப்படுத்தியவர்
901. □□□□□□□ — ஓங்காரத்தையே (எப்பொழுதும் த்யானத்தில்) கொண்டவர்
902. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — அத்வைதத்தைக் (காட்டும்)
வேத (வாக்யங்களையும்) ந்யாயங்களையும் விவரித்தவர்
903. □□□□□□□□□ — கருணைக்களஞ்சியம்
904. □□□□□ — நிர்வஹிப்பவர்
905. □□□□□□□ — மனதைக் கட்டுப்படுத்தியவர்
906. □□□□□ — (பக்திக்கு) கட்டுப்படுபவர்
907. □□□□□□□□□ — யஜ்ஞங்களை உறுப்புகளாகக் கொண்டவர்
908. □□□□□□□□□ — யஜ்ஞத்துக்கு ஆபரணம் போன்றவர்
909. □□□□□ — யஜ்ஞ (ஸ்வரூபி)
910. □□□□□□□□□ — யஜ்ஞங்களுக்குத் தலைவர்
911. □□□□□ — யஜமான (ஸ்வரூபியானவர்)

912. □□□□□□ — யஜ்ஞங்களின் ஆதாரம்
913. □□□□□□□□ — யஜ்ஞங்களை நடத்துவிப்பவர்
914. □□□□□□□□□□□□□□□□ — கருணை கைகொடுத்து தூக்கிவிடுபவர்
915. □□□□□□□□□□□□ — விதியை மாற்றவல்லவர்
916. □□□□□□ — ப்ரஹ்மாண்டத்தை உருவாக்கவல்லவர்
917. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — பூமி முழுதுக்கும் ஆசார்யனானவர்
918. □□□□□□□□□□□□□□ — போலி தத்துவங்களை உடைய மதங்களை கண்டித்தவர்
919. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — உயர்ந்தவற்றை (தத்துவங்களை) நிலை பெறச்செய்தவர்
920. □□□□□□□□□□□□□□ — அத்வைதம் என்ற பெரும்பாதையை (வேதத்தின் கருத்தாக) தீர்மானித்தவர்
921. □□□□□□□□□□□□□□□□ — துறவிகளுள் முன்னிற்பவர்
922. □□□□□□□□ — அளவற்ற (உலகை) முன்நடத்துபவர்
923. □□□□□□□□□□□□ — உள்ளுக்குள் உள்ளே (இருப்பவர்)
924. □□□□□□ — (ஸம்ஸாரத் தளைகளிலிருந்து) விடுபட்டவர்
925. □□□□□□□□ — கொண்டாடப்படும் புனிதர்
926. □□□□□□□□ — சார்பில்லாமல் (தீர்ப்பு அளிப்பவர்)
927. □□□□□□ — செருக்கிலிருந்து தூர (விலகியவர்)
928. □□□□□□ — (பக்தர்கள்) மனத்தில் (உள்ள த்யான) வடிவானவர்
929. □□□□□□ — (உலகமே) அடங்கிய (நிலையிலுள்ளவர்)
930. □□□□□□□□ — மங்களம் செய்பவர்
931. □□□□□□ — தூயவர்
932. □□□□ — (தர்மத்தைக் காப்பாற்றுவதில்) சூரர்
933. □□□□□□□□□□□□ — சோகம் சிறிதும் அற்றவர்
934. □□□□□□□□ — துறவி வடிவினர்

935. □□□□□□□ — (ஞானத்திற்கான) பாதையை செதுக்கியவர்
936. □□□□□□□ — பொறுமைசாலி
937. □□□□□□□ — (வாதங்களில்) காயமடையாதவர்
938. □□□□□□□□□□□□ — அக்ஷதைகளுடன் கூடி அர்ச்சனை செய்பவர்/செய்யப்படுபவர்
939. □□□□□□□□□□□□□ — அரசர்களுக்கெல்லாம் அரசர்களால் பூஜிக்கப்பட்டவர்
940. □□□□□□□ — ரஸிக்கவைக்கக்கூடியவர்
941. □□□□□□ — ரஸிக்கவைப்பவர்
942. □□□□□□□□□ — ஒளி வீசுபவர்
943. □□□ — மகிழ்பவர்
944. □□□□ — மகிழ்விப்பவர்
945. □□□□□□ — ரஸவாதம் தெரிந்தவர்
946. □□□□□□□□□□□□□□□ — வெள்ளி(ப்பனி) மலையில் வசிப்பவர்
947. □□□□□□□ — தூலமாக இல்லாதவர்
948. □□□□□ — அணுவாக இல்லாதவர்
949. □□□□□□□ — (கட்டைவிரல் அளவு) குட்டையான (ஜீவ சொரூபமானவர்)
950. □□□□ — மந்த்ர வடிவினர்
951. □□□□ — ஞாபக ஸக்தி வடிவினர்
952. □□□□□□□ — விசாலமான மனம் உடையவர்
953. □□□□□□□ — வெகு தூரம் நடந்து பயணித்தவர் / (விஸ்வரூபத்தில்) பல கால்கள் உடையவர்
954. □□□□□□□ — (விஸ்வரூபத்தில்) பல தோள்கள் உள்ளவர்
955. □□□□□□□□□ — (விஸ்வரூபத்தில்) பல தலைகள் உள்ளவர்
956. □□□□□□□□□ — பலர் அன்புக்கும் உரியவர்
957. □□□□□□□□□□□□□ — (ஸ்வப்னத்தைப் போல்) உள்பொருளைப் பார்க்காதவர்

958. □□□□□□□□ — (அனைத்துப் பொருள்களையும் ஒருசேர) பார்க்காதவர்
959. □□□□□□□□□□□□ — (விழிப்பைப் போல்) வெளிப்பொருளைப் பார்க்காதவர்
960. □□□□□□□□□□ — சைதன்யமற்று இல்லாதவர்
961. □□□□□□□□□□□□ — திரண்ட அறிவு வடிவினர் (அறிவு தவிர் வேறெதுவுமில்லாதவர்)
962. □□□□□□□□□□□□ — ஸரீரத்திற்குள் இருந்து விஷயங்களை அறியும் விஞ்ஞான வடிவினர்
963. □□□□□□□□□□ — (அத்தகைய விஞ்ஞானங்களிலேயே) ஒளிர்பவர்
964. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — பிடித்தது பிடிக்காதது என்னும் உணர்வுகளால் பாதிக்கப்படாதவர்
965. □□□□□ — அழிவில்லாதவர்
966. □□□□□□□□□□□□ — ஆகாஸத்தையே உடலாகக் (கொண்டு) உள்ளுறைபவர்
967. □□□□□□ — நிலம் அல்லாதவர்
968. □□□□ — நீர் அல்லாதவர்
969. □□□□□□□ — நெருப்பு அல்லாதவர்
970. □□□□□□ — வளி (காற்று) அல்லாதவர்
971. □□□□□□□ — வெளி (ஆகாயம்) அல்லாதவர்
972. □□□□□□□□□□ — (கர்ம இந்த்ரியங்களால்) பிடிக்க இயலாதவர்
973. □□□□□□□□□□□□ — (ஞான இந்த்ரியங்களால்) காண முடியாதவர்
974. □□□□□□□□ — (உண்மையில் எது ஒன்றையும்) கேட்காதவர்
975. □□□□□□□ — (உலக நடப்பில் அனைத்தையும்) கேட்பவர்
976. □□□□□□ — (உலக நடப்பில் அனைத்தையும்) செய்பவர்
977. □□□□□□□□□□ — (உண்மையில் எது ஒன்றையும்) செய்யாதவர்
978. □□□□□□□ — (உண்மையில்) மணமற்றவர்
979. □□□□□ — சுவையில்லாதவர்

980. □□□□□ — உருவில்லதவர்
981. □□□□□□□□ — தொட இயலாதவர்
982. □□□□□□ — ஒலியற்றவர்
983. □□□□□□□□ — (வேத) ஸப்தங்களை (தன்னைத் தெரிவிப்பவையாகக்) கொண்டவர்
984. □□□□□ — (உலக நடப்பில் அனைத்தையும்) நினைப்பவர்
985. □□□□□□ — (உண்மையில் எது ஒன்றையும்) நினைக்காதவர்
986. □□□□□□□□ — (மனம் விஷயங்களை நினைக்கையில் அதற்குள் இருப்பதால்) அதனை ஒட்டி பார்ப்பவர்
987. □□□□□□ — (உலக நடப்பில் அனைத்தையும்) தீர்மானிப்பவர்
988. □□□□□□□ — (உண்மையில் எது ஒன்றையும்) தீர்மானிக்காதவர்
989. □□□□□□□□□□ — (ஆத்மாவை அறிய வேண்டும் என்ற) விழிப்பூட்டுபவர்
990. □□□ — (உண்மையில்) ஒன்றாக உள்ளவர்
991. □□□□□ — (உலக நடப்பில்) பலதாக உள்ளவர்
992. □□□□□□□□□□ — (வெளி தொடர்பற்ற) தனி ஆத்மாவானவர்
993. □□□□□ — எல்லாமும் ஆனவர்
994. □□□□□□□□□□ — ஸம்ஸாரத்தில் இருந்து விடுவிப்பவர்
995. □□□□□□□□□□□□ — எப்போதும் சுத்தர் ???
996. □□□□□□□□□□□□ — எப்போதும் நல்லறிவானவர் ??
997. □□□□□□□□□□□□ — எப்போதும் முக்தர் ஆனவர் ?
998. □□□□□□□□□□ — (தனக்கு) புகலிடம் (தேவை) இல்லாதவர்
999. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — ஹ்ருதயத்தில் உள்ள அவித்யை என்னும் இருளை வெட்டுபவர்
1000. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — பக்தர்களின் இதயத் தாமரையில் சூரியனானவர்

